गोहलपुर थाना अंतर्गत मनमोहन नगर में दर्दनाक हादसा, क्रिकेट खेलते वक्त गेंद ढूंढने गए दो सगे भाई सेप्टिक टैंक में गिरे

खुला छोड़ा टैंक निगल गया दो मासूमों की जिंदगी

निगम और स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से गुस्से में उबला इलाका, दोनों की मौत

हरिभूमि, जबलपुर।

संस्कारधानी जबलपुर में रविवार शाम लापरवाही ने दो मासूम जिंदगियां निगल लीं। गोहलपुर थाना अंतर्गत मनमोहन नगर त्रिमूर्ति नगर क्षेत्र में क्रिकेट खेलते हुए गेंद ढूंढने गए दो सगे भाई विनायक उर्फ तन्नू (12 वर्ष) और कान्हा (10 वर्ष) सेप्टिक टैंक में गिरकर मौत के शिकार हो गए। झाड़ियों से घिरा टैंक इतने घने पौधों से ढंका था कि बच्चे उसे देख नहीं पाए और उसमें समा गए। हादसे की खबर मिलते ही पूरे इलाके में कोहराम मच गया, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

कलेक्टर, कप्तान समेत पहुंचे विधायक

घटना की जानकारी लगते ही विधायक डॉ. अभिलाष पांडे, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और पुलिस कप्तान संपत उपाध्याय स्वयं मनमोहन नगर पहुंचे। अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर घटना स्थल का बारीकी से जायजा लिया। कलेक्टर सिंह ने नगर निगम अधिकारियों और स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदारों को फटकार लगाते हुए कहा कि ऐसी लापरवाही दोबारा न हो। उन्होंने मृतक बच्चों के परिवार को हर संभव सहायता देने के निर्देश दिए। कप्तान उपाध्याय ने पुलिस को घटना की संपूर्ण जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए। वहीं विधायक डॉ. पांडे ने पीड़ित परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की।

गेंद ढूंढते-ढूंढते चली गई जान

घटना रविवार शाम की है जब राजेश विश्वकर्मा के दोनों बेटे घर के पास ही क्रिकेट खेल रहे थे। खेल के दौरान गेंद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की दीवार के भीतर जा गिरी। दोनों बच्चे दीवार फांदकर अंदर पहुंचे और झाड़ियों में गेंद ढूंढने लगे। पर उन्हें यह अंदाजा नहीं था कि झाड़ियों के बीच एक खुला सेप्टिक टैंक है। गेंद की तलाश में दोनों टैंक के किनारे पहुँचे और फिसलकर उसमें गिर गए।

वापस नहीं लौटे तब गहराया संदेह

साथ खेल रहे बच्चों ने काफी देर तक दोनों को न लौटते देख खोजबीन शुरू की। तभी टैंक के पास एक चप्पल पड़ी दिखाई दी। संदेह गहराते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर टीआई रीतेश पांडे पुलिस बल और फायर ब्रिगेड के साथ मौके पर पहुँचे। रेस्क्यू टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद टैंक से दोनों बच्चों के शव बाहर निकाले।

खुले टैंक पर भड़का जनाक्रोश

घटना के बाद स्थानीय रहवासी फूट पड़े। लोगों ने कहा कि जिस जगह हादसा हुआ, वहां निर्माण कार्य पूरा हुए महीनों बीत चुके हैं, लेकिन टैंक को खुला छोड़ दिया गया था। किसी ने सुरक्षा की कोई व्यवस्था नहीं की। झाड़ियों से ढंका टैंक मौत का जाल बन चुका था। रहवासियों का आरोप है कि ठेकेदार, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही इस हादसे के लिए जिम्मेदार है। लोगों ने सवाल उठाया कि आख़िर बच्चों से गलती नहीं, लेकिन सिस्टम की लापरवाही ने क्यों ली उनकी जान?

निगम प्रशासन की लीपा-पोती

घटना के तुरंत बाद नगर निगम के अधिकारी मौके पर पहुँचे और सफाई के नाम पर सफाईकर्मियों को बुलवाया। गुस्साए लोगों ने आरोप लगाया कि निगम अधिकारी यह कहकर बचाव करते दिखे कि टैंक की सफाई चल रही थी। लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घटना के समय वहाँ कोई सफाईकर्मी नहीं था, टैंक पूरी तरह खुला पड़ा था। यह बयान सिर्फ लापरवाही पर पर्दा डालने के लिए दिया गया।

कांग्रेस का प्रदर्शन आज

घटना की जानकारी मिलते ही नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा और पूर्व पार्षद जितिन राज मौके पर पहुँचे। उन्होंने कहा कि नगर निगम प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की घोर लापरवाही ने दो मासूमों की जान ले ली। नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा ने कहा निगम और अस्पताल प्रबंधन की उदासीनता शर्मनाक है। यह हत्या के समान अपराध है। आज कांग्रेस इस घटना के विरोध में प्रदर्शन करेगी और दोषियों पर हत्या का प्रकरण दर्ज करने की मांग करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर में भाजपा की सत्ता है, लेकिन कोई जनप्रतिनिधि इस दर्दनाक हादसे के बाद पीड़ित परिवार के पास तक नहीं पहुंचा।

नगर निगम की लापरवाही उजागर

यह हादसा केवल एक परिवार का नहीं, बल्कि पूरे जबलपुर प्रशासन के लिए चेतावनी है। शहर में विकास कार्यों के नाम पर अधूरे और असुरक्षित ढांचे आम लोगों की जान के लिए खतरा बने हुए हैं। मनमोहन नगर की यह त्रासदी प्रशासन की लापरवाही का सबसे जीवंत उदाहरण बन गई है।

रहवासियों का सवाल

- खुले टैंक को झाड़ियों में ढंका छोड़ने की अनुमति किसने दी?
- निर्माण के बाद टैंक को बंद क्यों नहीं किया गया?
- घटना से पहले किसी निरीक्षण की रिपोर्ट क्यों नहीं बनी?
- जिम्मेदार अधिकारी और ठेकेदार अब तक गिरफ्तार क्यों नहीं हुए?

डॉ. सुमित्र स्मृति समारोह में प्रतुल व प्रतिमा को सृजन सम्मान मिला

जबलपुर। डॉ. सुमित्र संस्कृति और संस्कारों के संवाहक थे, जिनके सानिध्य में जीवन औऱ सृजन का ज्ञान मिलता था। उक्त उदगार पाथेय साहित्य कला अकादमी के तत्वावधान में कला वीथिका में आयोजित डॉ. राजकुमार सुमित्र स्मृति सृजन एवं काव्य सम्मान समारोह में अतिथियों ने व्यक्त किये। समारोह की अध्यक्षता आचार्य भगवत दुबे ने की, जबकि मुख्य अतिथि समाजसेवी अशोक मनोध्या थे। विशिष्ट अतिथि में यश भारत के संस्थापक आशीष शुक्ला, पूर्व महापौर प्रभात साहू, विधायक डॉ. अभिलाष पांडे रहे। समारोह में वरिष्ठ साहित्यकार प्रतुल श्रीवास्तव को सुमित्र सृजन सम्मान एवं कवयित्री प्रतिमा अखिलेश को सुमित्र कविता सम्मान से शाल मानपत्र अलंकरण नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। वहीं, बसंत मिश्रा को रचनात्मक फोटो पत्रकारिता के लिए, दविंदर सिंह ग्रोवर रवि शुक्ला को कला के लिए सम्मानित किया गया। डॉ. हर्ष तिवारी, मोहिनी तिवारी, सोनल पांडे एवं आराध्या प्रियम ने अतिथियों का स्वागत किया। संचालन राजेश पाठक प्रवीण ने किया। इस अवसर पर नगर में क्रियाशील विविध संस्थाएं मित्र संघ, मिलन, गुंजन कला सदन, गोविंदगंज रामलीला समिति, गढ़ा रामलीला समिति, समरसता सेवा संगठन, वर्तिका, मंचदीप, अनेकांत, संस्कार भारती, जागरण साहित्य, त्रिवेणी परिषद, गीत पराग, आभा साहित्य संघ, मंथनश्री, हिंदी लेखिका संघ, बुंदेली संस्कृति संगम, सशक्त हस्ताक्षर, साहित्य सहोदर, विविधा कला अकादमी, हिंदी सेवा समिति, सनाढ्य संगम, नमस्ते पहल, अंतस संस्था, सुप्रभातम एवं सिद्धार्थ फाउंडेशन को भी सम्मानित किया गया ।

बिना स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम के कम्बाईन हार्वेस्टरों के जिले में प्रवेश पर लगी रोक हटी : आदेश जारी

जबलपुर। फसल कटाई में इस्तेमाल किये जाने वाले कम्बाइंड हार्वेस्टरों को स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम लगाये बिना जिले में प्रवेश पर लगाई गई रोक को बारिश की वजह से बनी परिस्थितियों को देखते हुये स्थगित कर दिया गया है। इस बारे में आदेश भी जारी कर दिया गया है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड द्वारा जारी आदेश के मुताबिक अब बिना स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम लगे कम्बाइंड हार्वेस्टर जिले के भीतर प्रवेश कर सकेंगे। इस आदेश से जिले की सीमा पर स्थित टोल नाकों के प्रबंधकों को भी अवगत करा दिया गया है तथा उन्हें बिना स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम लगे कम्बाइंड हार्वेस्टरों को जिले के भीतर प्रवेश देने के निर्देश दिये गये हैं।

मन की बात कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री सिंह

जबलपुर। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह रविवार को सुबह 11 बजे 90 क्वार्टर, शहीद गुलाब सिंह वार्ड स्थित अंकित श्रीवास्तव तनु के घर के सामने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम सुनें।साथ ही वहां आमजन से भी मिले। मन की बात कार्यक्रम को सुनने के लिए क्षेत्र के लोगों ने उत्सुकता के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए।

20 देशों के विद्वानों के अलावा थाईलैंड एवं मॉरीशस के 8 से 10 सदस्य भी इस आयोजन में पधार रहे हैं

चतुर्थ वर्ल्ड रामायण कॉन्फ्रेंस के लिए तैयारियां शुरू

जबलपुर। आगामी 2, 3 एवं 4 जनवरी 2026 को चतुर्थ वर्ल्ड रामायण कान्फ्रेंस की रूपरेखा और कार्ययोजना तैयार करने आयोजन समिति कार्यकर्ताओं की बैठक सत्य अशोक में.आयोजित हुई। साध्वी ज्ञानेश्वरी दीदी ने बताया कि कल्याण बाबा के मुख्य संरक्षण में यह आयोजन किया जा रहा है इसमें स्वामी रामभद्राचार्य उपस्थित रहेंगे साथ ही अन्य संतों का भी आगमन हो रहा है। आयोजन समिति के अध्यक्ष अजय बिश्नोई ने बताया कि 2,3 एवं 4 जनवरी को यह आयोजन केन्द्र सरकार, राज्य सरकार एवं नगरनिगम जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में जबलपुर में आयोजित होने जा रहा है। राज्यसभा सांसद स सुमित्रा वालमिकि ने वर्ल्ड रामायण कान्फ्रेंस के माध्यम से युवाओं को जोड़ने की बात कही।आयोजन के स्वागत अध्यक्ष महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने विशेष रूची लेते हुए नगर निगम जबलपुर के द्वारा एक स्वागत भोज करने की बात कही।साथ ही इस आयोजन में नगर निगम जबलपुर के द्वारा रामायण दर्शन प्रदर्शनी का आयोजन करने पर जोर दिया। यह प्रदर्शनी आयोजन स्थल में मुख्य आयोजन के कुछ दिन पूर्व से ही प्रारंभ की जाएगी। विधायक अभिलाष पांडे एवं नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज ने इस अवसर पर उदघाटन सत्र में केंद्र सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों एवं संत समाज के वरिष्ठ जनों की उपस्थिति पर जोर दिया। गढ़ा रामलीला समिति के संचालक पंडित अशोक मनोध्याय ने इस आयोजन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में रामलीला समिति, ब्रह्मर्षि बाबरा मिशन समिति एवं सनातन धर्म महासभा के विशेष सहयोग पर प्रकाश डाला। कार्यकर्ताओं की तैयारी के अवलोकन हेतु आयोजन समिति के एडवोकेट रवि रंजन जी एवं रामलीला समिति के अध्यक्ष राकेश पाठक ने विभिन्न आयोजन उपसमितियों की बैठक भी समय-समय पर आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। आयोजन सचिव डॉक्टर अखिलेश गुमास्ता ने बताया कि इस आयोजन में विश्व भर के 20 देशों के रामायण के विद्वान पधार रहे हैं इसके अलावा थाईलैंड एवं मॉरीशस के 8 से 10 सदस्यों का प्रतिनिधि मंडल भी इस आयोजन में पधार रहे हैं। बैठक के प्रारंभ में 2016 से जुड़े प्रथम सदस्य चंद्र कुमार मिश्र , डॉक्टर कृष्णकांत चतुर्वेदी , एवं कार्यकर्ता तुषार सिधना को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मंत्री राकेश सिंह पूर्व के आयोजन से ही मुख्य सलाहकार हैं, साध्वी ज्ञानेश्वरी दीदी एवं पंडित अशोक मनोध्याय ने पूरे आयोजन में उनके और अधिक सहयोग एवं मार्गदर्शन मिलने के लिए हर्ष व्यक्त किया। इस अवसर पर नरेश ग्रोवर, रवि वाजपेई, अर्पित तिवारी,पंकज गौर,विनोद गोंटिया,रत्नेश सोनकर,डॉक्टर जितेन्द्र जामदार, शरद अग्रवाल, कमल ग्रोवर,पंकज शाह,संजय यादव, श्रीमती गीता शरद तिवारी, शैलजा सुल्लेरे, अर्चिता तिवारी, राजेश मिश्रा, अजय तिवारी, गुलशन माखिजा, मनोज नारंग,वह नय केसरवानी, आलोक पाठक, प्रदीप गुप्ता, पंकज श्रीवात्रे, विध्येश भापकर,नितिन भाटिया, रमाशंकर कटारे, सहित सभी सहयोगी कार्यकर्ता उपस्थित हुए। मीडिया प्रभारी दिनेश मिश्रा ने उपस्थित सभी सदस्यों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी से पूर्ण मनोयोग के साथ 'राम काज लय लीन मन बिसरा तन कर छोह इस आयोजन में लग जाने की अपील करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

कजरवारा में चंडी मेला आज

जबलपुर। कजरवारा में स्वर्गीय नारायण प्रसाद यादव की स्मृति मे 27/ अक्टूबर सोमवार को चंडी मेले का आयोजन राम मंदिर प्रांगड़ में किया जा रहा है। मेले में भीटा, टेमर, सिद्ध नगर,बिलहरी, गधेरी, कजरवारा के ग्वाल माई चंडी, माल बाबा की पूजन कर अहीर नृत्य करेंगे, झूमर, छाल,मृदंग के साथ दिवारी गीत का कार्यक्रम होगा , समाज के उच्च सामाजिक कार्य करने वालों का सम्मान किया जाएगा, कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी ग्याल बाल अपने सजो सामान साथ लेके आवे, राम मंदिर समिति कजरवारा के सुरेश उपाध्यय, अनिल यादव, अटल उपाध्याय,रामकुमार ठाकुर, जबाहर बारकडे, नरेंद्र उपाध्याय, अभय उपाध्याय,विजय महोबिया, गोबिंद यादव, मिलन ठाकुर, राहुल यादव, नमन उपाध्याय,प्रकाश यादव, राहुल कुशवाहा, रोशन सेन, सतीश कुशवाहा, रज्जन यादव, अज्जू यादव, अरुण चौकसे, संदीप सोनी, अमित झारिया,कार्तिक यादव, गणेश यादव ने व्यापारी बंधुयों से दिन में स्थान सुरक्षित करने झूले वालों से समय पर सुरक्षित झूला लगाने के साथ ही ग्याल बाल, पुलिस प्रशासन से मेले में पहुंचने की अपील की है।

रेलवे ने फुटबॉल में कलकत्ता में परचम फहराया

जबलपुर। पूर्व रेलवे स्पोर्ट्स एसोसिएशन कलकत्ता पश्चिम बंगाल, में 22 अक्टूबर से 3 नवंबर तक आयोजित 80 वी अखिल भारतीय अंतर रेलवे फुटबॉल प्रतियोगिता (पुरुष) में खेले गये मैच में पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर ने नार्थ ईस्टन रेलवे गोरखपुर को 1-0 से हराकर परचम फहराया और अंक तालिका में तीन अंक प्राप्त किये । महाप्रबंधक शोभना बंद्योपाध्याय के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों को सभी मूलभूत सुविधाएं प्रदान की गई है एवं रेलवे खेलकूद संघ के अध्यक्ष श्री कुशाल सिंह निरिक्षण कर रहे हैं । टीम में संतोष रजक, सोनू रजक, राजा बर्मन, रितेश रजक, नीलेश पिल्ले, आकाश बाबू, चेतन, सुजीत, दीपक, ओम रजक, सुब्राता मुर्मू, सावन रामचन्द्रन, मोहित, राजा, विजय, पिताम्बर, गुंजन गुलाम घोष एवं पमरे फुटबॉल टीम के कोच अविनाश थापा एवं मेनेजर नवीन तोमर है।
पश्चिम मध्य रेलवे जबलपुर फुटबॉल टीम को जी. पी. शिव नारायण, महासचिव, श्री यशवंत कुमार, कोषाध्यक्ष, श्री कमल कुमार तलरेजा मंडल रेल प्रबंधक, सुबोध विश्वकर्मा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक प्रबंधक, दशरथ कुमार, आरिफ अली, गजेन्द्र सिंह मेहरोलिया, हसन अली, कल्याण दास, रामपाल रजक, असद खान, मितेन्द्र कुमार, नवीन उपाध्याय, असलम अली, रेल कर्मचारियों एवं समस्त खेल प्रेमियों ने हार्दिक बधाईयॉ व भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी गई है।

नर्मदे हर से अंकित भगवा ध्वजों का पूजन

जबलपुर। हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से निकाली जाने वाली नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा 5 नवंबर कार्तिक पूर्णिमा सुबह 8:30 बजे संत महात्मा एवं देश के शहीद परिवारों के सानिध्य में निकाली जाएगी. साकेत धाम के संस्थापक गिरीशानंद महाराज के सानिध्य में कोलकाता से पधारे उद्योगपति अरविंद नेवर वैद्यनाथ गीता मिस्त्र सी ए ने 621 स्थान से आए नर्मदे हर से अंकित भगवा ध्वज का विधि विधान से पूजन अर्चन बटुक ब्राह्मणों ने कराया महाआरती के साथ प्रसाद वितरण किया गया. महाराज ने बताया ध्वज में साक्षात हनुमान जी का वास होता है सभी विगनहो को हर देते हैं सुख समृद्धि का प्रतीक होता है ध्वज सनातन का प्रतीक है. इस अवसर पर नर्मदा महाआरती के संस्थापक परिक्रमा अध्यक्ष डॉ सुधीर अग्रवाल संरक्षक सुषमा शंकर पटेल पं मनमोहन दुबे श्याम मनोहर पटेल सुरेश विश्वकर्मा मोहित तिवारी दीपक तिवारी पीयूष शुक्ला अवधेश खरे पप्पू चौबे कैलाश विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे।

एम.पी. ट्रांसको में साइबर क्विज : कार्यपालन अभियंता अंजु नीखरे प्रदेश में प्रथम

जबलपुर। साइबर जागृत भारत अभियान के तहत मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) में साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के अंतर्गत ''ऑनलाइन साइबर क्विज' आयोजित हुआ, जिसमें प्रदेश के एम.पी. ट्रांसको कार्मिकों ने हिस्सा लिया। यह क्विज कंपनी के सोशल मीडिया समूहों में साझा की गई "साइबर अपराध से बचाव हेतु मार्गदर्शिका" पर आधारित था। एम.पी. ट्रांसको के इस अभियान की सफलता इसी से स्पष्ट होती है कि एम.पी. ट्रांसको के प्रदेश मे दूरस्थ स्थित ट्रांसमिशन लाइन मुख्यालयों एवं सबस्टेशनों से भी प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इस क्विज के संयोजक डॉ. हिमांशु श्रीवास्तव ने बताया कि कंपनी के प्रदेश भर में एम.पी. ट्रांसको के विभिन्न कार्यालयों के कार्मिकों ने उत्साहपूर्वक क्विज में सहभागिता की। इसका उद्देश्य अधिकारियों और कर्मचारियों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें डिजिटल माध्यमों पर सुरक्षित कार्य प्रणाली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इस ऑनलाइन क्विज का संचालन आईटी सेल के प्रोग्रामर प्रवीण शुक्ला ने किया।

जबलपुर की अंजू नीखरे रही प्रथम

इस आनलाइन क्विज में जबलपुर में पदस्थ कार्यपालन अभियंता सुश्री अंजु नीखरे प्रथम स्थान पर रहीं, उन्होंने न्यूनतम समय में सभी प्रश्नों का सही उत्तर दिया। इसके अलावा 132 के.व्ही. सबस्टेशन पंधाना (खंडवा) के कनिष्ठ अभियंता सागर महाजन एवं 132 के.व्ही. सबस्टेशन चंबल (भोपाल) के प्रीतम भापकर ने क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। एम.पी. ट्रांसको के प्रबंध संचालक ने साइबर क्विज के विजेताओं को इस सफलता पर बधाई दी।

मप्र शिक्षक संघ की संभागीय कार्यसमिति का होगा शंखनाद

जबलपुर। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जबलपुर संभागीय कार्यकारिणी की बैठक आज महानगर जबलपुर मे संपन्न हुयी। इस मे जबलपुर संभाग के सभी नौ जिलों से आए मप्र शिक्षक संघ के पदाधिकारी -कार्यकर्ताओं ने ' शिक्षकों व शिक्षा की तमाम समस्याओं को रखकर उनके समाधान को रणनीति तैयार की। इस मौके पर संघ के सदस्यता अभियान 2025की समीक्षा , जिलों मे शिक्षक सदन निर्माण, बी० एड० प्रशिक्षणार्थियों को छात्रावास मे ही अनिवार्यतः आवास उपलब्धता जैसे विषय उठे। आज दोपहर 12बजे से शाम 5 बजे तक दो सत्रों मेयह बैठक स्थानीय एम ०एल ०बी०हायर सेकेण्डरी स्कूल मे हुयी। जिसका आयोजन मप्र शिक्षक संघ जबलपुर के जिलाध्यक्ष आशीष तिवारी ने महानगर अध्यक्ष सुरेन्द्र रिछारिया के सौजन्य से किया गया था।इस बैठक में एबीआरएसएम के राष्ट्रीय स्तर के शैक्षिक प्रकोष्ठ प्रभारी, विजय शुक्ला, प्रांतीय सह संगठन मंत्री नंदकुमार शुक्ला, विशेषतः उपस्थित रहे। अध्यक्षता संभागाध्यक्ष तोरण लाल परतेती ने की। संचालन संभागीय संगठनमंत्री डा०अजय तिवारी ने किया। बैठक मे लंबे समय से लंबित, क्रमोन्नत, ई-अटेंडेंस, नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता, जबलपुर जिला-संभाग मे शिक्षकों के हित लाभ के प्रति अधिकारियों की उदासीनता जैसे विषय उठे, जिन के निराकरण हेतु कदम उठाने का निर्णय सर्व सम्मति से हुआ। इस मौके पर संभागीय सचिव राजकुमारी गुप्ता, कोषाध्यक्ष प्रहलाद पटेल, उपाध्यक्ष कालीचरणराय, सह सचिव कीर्ति निधि दुबे,संतोष तिवारी मझोली अध्यक्ष, विवेक शुक्ला, महेन्द्र सिंह उद्दे, राजेन्द्र सरवरे, सत्यप्रकाश त्यागी, वामन कुकडे, सोपतराम उर्वेती, अशोक दीक्षित,आदि प्रमुख पदाधिकारियों, सहित संभागीय, जिला, तथा ब्लाकों के पदाधिकारी-सदस्य बड़ी संख्या मे उपस्थित रहे।

खरना कर महिलाओं ने रखा 36 घंटे का निर्जला व्रत

महापर्व छठ : भगवान सूर्य को प्रथम अर्घ्य आज

हरिभूमि जबलपुर।

महापर्व छठ के प्रति उत्तर भारतीयों में अभूतपूर्व उत्साह एवं उमंग संस्कारधानी में दिख रहा हैं। भारत में छठ सूर्योपासना के लिए प्रसिद्ध पर्व है। मूलतः सूर्य षष्ठी व्रत होने के कारण इसे छठ कहा गया है। स्त्री और पुरुष समान रूप से इस पर्व को मनाते हैं। छठ महापर्व के दूसरे दिन रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य और सोमवार को उदयगामी भगवान सूर्य को अर्घ्य का संकल्प पूरा करने के लिए व्रतियों ने खरना किया। व्रती दिनभर उपवास के बाद शाम को स्नान कर छठी मइया को गुड़ का खीर रसिआव और गेहूं की रोटी का भोग लगाएगी और अस्त होते सूर्य को अर्घ्य के लिए संकल्प लिया। सूर्यास्त के बाद कुलदेवता की पूजा की। खरना के साथ ही व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हुआ। सोमवार को अस्त होते सूर्य और मंगलवार को उदयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य के बाद महापर्व छठ का समापन होगा। शहर में लोकआस्था का महापर्व छठ शनिवार को नहाय.खाये के साथ शुरू हुआ। दूसरे दिन रविवार को खरना हुआ। वहीं प्रसाद बनाने के लिये आम की लकड़ी और मिट्टी से बने चूल्हे की खरीद भी होती रही। फलों की मंडियों में भी उल्लास का वातावरण दिखा और अर्घ्य के लिये फलों की खरीद देर शाम तक चलती रही। प्रसाद बनाने के लिए श्रद्धालु गंगाजल भी ले गए। घाट से लेकर घर की छतों पर व्रतियों के छठ गीत से वातावरण पावन हो गया। व्रतियों ने नर्मदा सहित विभिन्न तालाबों के घाटों पर स्नान कर छठी मइया के गीत गाये और अनेक स्थानों पर महिलाओं ने घाट पर बनाई गई बेबी की पूजा की जिसे हम घाट पूजा कहते हैं।

छठ का पौराणिक तथ्य

डूबते सूरज को अर्घ्य छठ पर्व पर पहले डूबते सूरज और फिर ऊगते सूरज की पूजा कि जाती है। साथ ही महिलाएं कमर तक पानी में खड़ी रहती हैं। इस उल्टे क्रम के पीछे पौराणिक कारण हैं। मान्यताओं के अनुसार राक्षस तारकासुर का वध करने हेतु भगवान कार्तिकेय का जन्म हुआ था। उनके जन्म के साथ ही छह मातृकायें प्रकट हुईं जो भगवान कार्तिकेय की देखभाल करती थी। जब तारकासुर का भय चरम पर था तभी भगवान कार्तिकेय ने तारकासुर का वध करने के लिए युद्ध किया और उसको मारने के लिए वे तारकासुर के पीछे दौड़े, उनके पीछे उनकी छह मातृकायें भी दौड़ी। भगवान कार्तिकेय दौड़ते हुए नदी पार कर गए किंतु माताओं का पैर नदी में ही फंस गया। जिसके कारण वे आगे नही बढ़ सकीं। उस समय भगवान सूर्य के अस्त होने का समय था। सभी माताएं नदी में ही खड़े रहकर सूर्य देव से पुत्र के लिए मंगलकामना करती रहीं। दूसरे दिन सूर्योदय के समय कार्तिकेय तारकासुर का वध करने तक मातायें उसी अवस्था में नदी में रहकर प्रार्थना करती रहीं। यही छह मात्रिकायें छठ मइया कहलाईं। तभी से कार्तिक मास की षष्ठी को माताएं अपने पुत्रों की कुशलता के लिए व्रत रखती हैं एवं शाम के समय पहले सूर्यास्त के समय प्रथम अर्घ्य एवं दूसरे दिन सुबह सूर्योदय के समय द्वितीय अर्घ्य देती है।

पूजा स्थलों पर निगम एवं पुलिस प्रशासन रहेगा मुस्तैद

छठ पूजा के लिए श्रद्धालुओं ने 18 स्थलों को चयनित किया है जिनके लिए उत्तर प्रदेश.बिहार महासंघ ने प्रभारियों की भी नियुक्ति की है। पर्व के दौरान होने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन और निगम प्रशासन ने पुख्ता व्यवस्थाएं की हैं। गौरीघाट में वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने पुलिस ने कई बैरीकेट्स बनाए हैं। वहीं यातायात को संभालने के लिए पुलिस की व्यवस्था की गई है। प्रायः सभी पूजा स्थलों पर सुरक्षा और निगरानी के लिए पुलिस की पर्याप्त व्यवस्था के निर्देश अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। वहीं नगर निगम ने घाटों पर साफ सफाई पेयजल एवं प्रकाश की पूरी व्यवस्था की है अनेक स्थानों पर महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम बनाने के भी निर्देश दिए गए हैं।

रमनगरा स्थित शंकराचार्य मठ में हुआ भव्य स्वागत, 26 नवम्बर को पहुंचेगा गोवा

राम नाम जप के साथ संस्कारधानी पहुँचा श्रीराम दिग्विजय रथ

हरिभूमि, जबलपुर।

आस्था, एकता और सनातन संस्कृति के संदेश के साथ श्रीराम दिग्विजय रथ यात्रा रविवार देर शाम संस्कारधानी पहुँची। यह ऐतिहासिक यात्रा बद्रीनाथ से प्रारंभ होकर अब तक भारत के सात राज्यों से गुजर चुकी है। रमनगरा स्थित शंकराचार्य मठ में रथ का भव्य स्वागत पुष्पवर्षा और आरती उतारकर किया गया। जगतगुरु शंकराचार्य आश्रम रमनगरा के ब्रह्मचारी शाश्वतानंद जी महाराज ने कहा कि इस रथ का दर्शन संस्कारधानी का सौभाग्य है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म के कार्य में प्रत्येक सनातनी को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

550 दिनों में 550 करोड़ बार श्रीराम का जप

श्रीसंस्थान गोकर्ण पुर्तगाली जीवोत्तम मठ के प्रतिनिधि पवन प्रभु ने बताया कि रथ यात्रा का उद्देश्य 550 दिनों में 550 करोड़ बार "श्रीराम जय राम जय जय राम" का जप करना है। यह एक अभूतपूर्व धार्मिक अभियान बन चुका है। प्रतिदिन एक करोड़ राम नाम का जप किया गया, जो 18 अक्टूबर 2025 को पूर्ण हुआ। यात्रा का शुभारंभ 17 अप्रैल 2024 को बद्रीनाथ से हुआ था। यह श्रीनगर, दिल्ली, कन्नौज, अयोध्या, काशी होते हुए जबलपुर पहुँची है। अब यह अमरावती से होते हुए 26 नवम्बर 2025 को गोवा स्थित पुर्तगाली केंद्र मठ पहुँचेगी, जहाँ इस अभियान का समापन होगा। गोवा में प्रभु श्रीराम की 77 फीट ऊँची ब्रॉन्ज प्रतिमा तैयार की जा रही है, जिसका निर्माण स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के कलाकार कर रहे हैं।

यह रहे उपस्थित

रथ आगमन पर अभिलाष पांडे के प्रतिनिधि श्रीकांत 'कुक्की' वर्मा, सोनू पंडा, विपिन ठाकुर, अंकित ठाकुर, राम भक्त एमएल तिवारी, पत्रकार मयंक तिवारी, शुभम शुक्ला, हर्षित चौरसिया सहित अनेक भक्तों ने पूजन-अर्चन किया। समिति के गिरिधर नायक, श्रीनिवास कामक, पं. शरण आचार्य, आनंद भट्ट, पवन प्रभु आदि ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से जानकारी दी।

कान्यकुब्ज ब्राम्हण सभा महिला प्रकोष्ठ का दीपावली मिलन संपन्न

जबलपुर। अभिनव प्रयास दीपावली मिलन कान्यकुब्ज ब्राह्मण सभा चेरीताल, जबलपुर की महिला प्रकोष्ठ की मातृशक्तियों द्वारा समाज की वयोवृद्ध महिलाएं जो शारीरिक रूप से अशक्त हो चुकी हैं, किंतु जीवन काल में एक समय उन्होंने समाज को सहयोग प्रदान किया, उनके निवास स्थान पर जाकर दिवाली मिलन पुष्प माला एवं मिष्ठान भेंट कर मनाया गया। अत्यधिक प्रसन्नता के साथ सभी माताओं ने महिला प्रकोष्ठ की महिलाओं को आशीर्वचन दिए और इस प्रयास की भूरी-भूरी सराहना की। इनमें श्रीमती उमा मिश्रा, उर्मिला बाजपेई, दुलारी देवी दुबे, सुधा शुक्ला, कुसुम बाजपेई, शारदा शुक्ला, सावित्री अग्निहोत्री, उमा उपाध्याय, सुधा दुबे, कमल बाजपेई आदि महिलाओं के साथ दीपावली मिलन किया गया। कान्यकुब्ज ब्राह्मण सभा, जबलपुर के अध्यक्ष सन्तोष मिश्रा के मार्गदर्शन में इस पहल को मूर्तरूप देने में डॉ.आशा पांडे महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष, डॉ. नमिता त्रिपाठी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सुनीता दुबे उपाध्यक्ष, साधना शुक्ला सचिव, डॉ. सरोज शुक्ला कोषाध्यक्ष, सुषमा त्रिपाठी, अल्का मिश्रा आदि महिला प्रकोष्ठ पदाधिकारीगण सम्मिलित हुईं, जो अतिसराहनीय रहा।

एसआईओ ने नैतिकता और सादगी पर शुरू किया जनजागरूकता अभियान

जबलपुर। स्टूडेंट्स इस्लामिक आर्गनाइजेशन ऑफ इंडिया (एसआईओ) ने शर्म-हया जीवन है: मायने, नैतिकता और संयम-शांत चित्त शीर्षक से एक राष्ट्रव्यापी नैतिकता अभियान की शुरुआत की है। यह अभियान 12 अक्टूबर से 10 नवम्बर 2025 तक देश भर के विश्वविद्यालयों, कालेजों और सामुदायिक स्थलों पर चलाया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को पोर्नोग्राफी, सोशल मीडिया एडिक्शन और नैतिक पतन जैसी आधुनिक लतों से बचाना तथा हया (शर्म, सादगी और आत्म संयम) के मूल्यों को पुनर्जीवित करना है। एसआईओ नेशनल कैम्पस सेक्रेट्री तल्हा मन्नान ने पत्रकार वार्ता में बताया कि आज का युवा तकनीकी रूप से सक्षम है, लेकिन नैतिक रूप से दिशाहीन हो रहा है। मीडिया और मनोरंजन जगत ने अश्लीलता को आधुनिकता का प्रतीक बना दिया गया है। उक्त अभियान इस भ्रम को तोड़ने का प्रयास है। अभियान संयोजक शादाम जकी ने कहा कि सच्ची तरक्की वही है जो नैतिकता के साथ हो, आज जरूरत है कि हम डिजिटल स्वतंत्रता के साथ नैतिक जिम्मेदारी को भी समझें। इस अवसर पर जुहैब हुसैन, अरशद मुफैज, जाहिद अहमद सहित अनेक स्थानीय छात्र प्रतिनिधि और युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पेंशनर्स 31 को भोपाल में अर्धनग्न होकर करेंगे प्रदर्शन

जबलपुर। प्रमुख पेंशनर्स एसोसियेशन के प्रांतीय अध्यक्ष श्याम जोशी तथा कार्यवाहक प्रांताध्यक्ष एचपी उरमलिया ने बताया कि राज्य के साढ़े चार लाख पेंशनर्स की लंबित मांगों का निराकरण लम्बे समय से मप्र शासन के द्वारा नहीं किए जाने के विरोध स्वरूप भोपाल में अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करेंगे। प्रांतीय महासमिति की बैठक 31 अक्टूबर को भोपाल के लघु वेतन कर्मचारी संघ भवन, माता मंदिर के पास आयोजित की गई है, जिसमें मप्र के प्रत्येक जिले के पदाधिकारी भाग लेंगे तथा बैठक में विचारोपरांत लंबित मांगों को लेकर रैली के रूप में मुख्यमंत्री निवास तक या मप्र शासन के मंत्रालय तक पहुंचकर अपना मांगपत्र संबंधित अधिकारियों को देंगे। बैठक में संभागीय अध्यक्ष शेषमणि पांडे, गौरीशंकर पांडेय, आरके श्रीवास्तव, एके शुक्ला, एसपी शुक्ला, सीएल दोहरे, बीएसपी गौर, डॉ. एसपी सिंह, श्रवण कुमार श्रोती, आरबी मिश्रा, एसके श्रीवास्तव, प्रकाश गर्ग आदि शामिल होंगे।

अनुकंपा नियुक्ति पर कार्यरत लिपिकों को सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण करने की बाध्यता समाप्त की जाए

जबलपुर। मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि शासन द्वारा अनुकंपा नियुक्ति पर कार्यरत लिपिकीय कर्मचारियों को सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण करने की बाध्यता को समाप्त करते हुए यदि वे सीपीसीटी परीक्षा पास न कर पाएं तो उन्हें हटाए जाने की प्रक्रिया पर रोक लगाते हुए सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए उन्हें पर्याप्त समय और अवसर दिए जाने चाहिए। अनुकम्पा नियुक्ति पर नियुक्त लिपिकीय कर्मचारियों को कम से कम 3-5 वर्ष का समय सीपीसीटी उत्तीर्ण करने के लिए मिलना चाहिए, ताकि वे नौकरी के साथ साथ परीक्षा की तैयारी कर सकें। यदि निर्धारित अवधि में सीपीसीटी उत्तीर्ण नहीं कर पाते तो पुनः अतिरिक्त प्रयास के लिए अवसर मिलना चाहिए तथा नौकरी से निकालने की बजाय पदावनत का विकल्प अथवा अस्थायी रूप से कम वेतनमान या अन्य निम्न पदों पर पदावनत किया जाने का विकल्प होना चाहिए।

भगवान बुद्ध ने चार आर्य सत्य और अष्टांगिक मार्ग का उपदेश देकर अंधकार में प्रकाश फैलाया

दीपांकर बुद्ध, सुमेध तापस और शाक्यमुनि गौतम बुद्ध की कथाओं से गूंजा परिसर

जबलपुर। प्राचीन बौद्ध मठ, गोपालपुर में चल रही बुद्ध कथा के दूसरे दिन श्रद्धा, भक्ति और शांति का दिव्य वातावरण देखने को मिला। सुबह से ही श्रद्धालु बड़ी संख्या में कथा स्थल पर पहुंचकर भगवान बुद्ध की वंदना करते रहे और ध्यान सत्र में सम्मिलित हुए।

आज की कथा का वाचन महापंडित सद्धार्माचार्य पूज्य भिक्षु प्रियदर्शी थेरो द्वारा किया गया। वे पाली, बौद्ध एवं संस्कृत साहित्य के प्रकांड विद्वान तथा विजिटिंग प्रोफेसर, केलनिया यूनिवर्सिटी (श्रीलंका) हैं। भिक्षु प्रियदर्शी थेरो ने अपने प्रवचन में सबसे पहले भगवान दीपांकर बुद्ध और सुमेध तापस की प्रेरक कथा का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि कैसे तपस्वी सुमेध ने अपने तप, श्रद्धा और करुणा से भगवान दीपांकर बुद्ध को प्रसन्न किया।

सुमेध तापस ने अपने तन-मन से मार्ग तैयार कर दीपांकर बुद्ध के चरणों की वंदना की। उनकी गहन श्रद्धा और समर्पण से अभिभूत होकर दीपांकर बुद्ध ने उन्हें भविष्य में बुद्ध होने का आशीर्वाद दिया। उन्होंने समझाया कि यह कथा हमें यह सिखाती है कि सच्ची श्रद्धा और समर्पण से ही मनुष्य महानता की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि यही सुमेध तापस आगे चलकर शाक्यमुनि गौतम बुद्ध के रूप में इस संसार में उत्पन्न हुए। इसके पश्चात थेरो जी ने शाक्यमुनि गौतम बुद्ध की जीवन गाथा सुनाई- राजकुमार सिद्धार्थ के रूप में जन्म से लेकर वैराग्य, साधना और ज्ञान प्राप्ति तक की प्रेरणादायक यात्रा। उन्होंने चार दृश्य-वृद्धावस्था, रोग, मृत्यु और संन्यास की व्याख्या करते हुए बताया कि इन अनुभवों ने सिद्धार्थ के भीतर मानवता के दुखों को मिटाने की करुणा जगाई। उन्होंने कहा कि बोधि वृक्ष के नीचे प्राप्त ज्ञान के बाद भगवान बुद्ध ने संसार को मध्यम मार्ग, चार आर्य सत्य और अष्टांगिक मार्ग का उपदेश देकर अंधकार में प्रकाश फैलाया। मठ परिसर में पूरे दिन "बुद्धं शरणं गच्छामि" की मधुर गूंज वातावरण में गूंजती रही। शाम को आयोजित ध्यान सत्र और भजन संध्या में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आत्मिक शांति और आनंद का अनुभव किया। आयोजक समिति ने बताया कि तीसरे दिन की कथा में भिक्षु प्रियदर्शी थेरो जी भगवान बुद्ध के धम्म प्रचार और संघ स्थापना से जुड़ी घटनाओं का वर्णन करेंगे। इस आयोजन के मुख्य आयोजक त्रिरत्न श्रद्धापुंज फाउंडेशन, प्राचीन बौद्ध मठ, गोपालपुर, जबलपुर हैं। कार्यक्रम में उदयभद्र बौद्ध, टावल सिंह मिलावट, अनिल अडकने, बौद्ध दयाशंकर कुशवाहा, रवी पटेल, अर्जुन पाटिल, मनोज बाघमारे, ब्रजेस ऊके, संतोष मराठा, शैलेंद्र बौद्ध आदि उपस्थित रहे।

सड़कों पर गूंजी गुरुनानक की ईश्वरीय वाणी

सर्व ईश्वरवाद का संदेश देने वाले श्री गुरुनानक देव के प्रकाश पर्व पर निकला भव्य नगर कीर्तन

सिहोरा। श्री गुरु नानकदेवजी ने दुनिया को सर्व ईश्वरवाद का संदेश दिया जिससे वह सभी भाव और सत्य फलित होते हैं जिनके साथ मानव की प्रगति और कल्याण जुड़ा है,जो कुछ मिले उसे दुसरो के साथ बांटना,जरुरतमंदों की मदद करना सहित अन्य संदेशों को लेकर नगर के सिख समाज द्वारा गुरुनानक देव जी का 556 वां प्रकाशोत्सव पर्व हर्षोल्लास श्रद्वा भक्ति भाव के साथ मनाया जा रहा है।

प्रमुख मार्गों से होकर निकला नगर कीर्तन

रविवार को शाम 4 बजे झंडा बाजार स्थित गुरूद्वारा से अरदास के बाद भव्य एंव प्रेरक नगर कीर्तन शोभायात्रा प्रारंभ हुई जो झंडा बाजार, आजाद चौक,ग़ौरी तिराहा,पुराना बस स्टेंड,मैना कुआं, महावीर चौक,कालभैरव चौक, झंडा बाजार होकर कटरा मोहल्ला मझौली बायपास स्थित गुरुद्वारे में संपन्न हुई। पूरे नगर कीर्तन मार्ग में धुन के माध्यम से गुरुनानक देव जी की ईश्वरीय वाणी गूंजती रही।

पुष्प के रथ पर गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रकाश

पुष्प से सुसज्जित रथ पर गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रकाश किया गया था जिसके समक्ष श्रद्धालू माथा टेक कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे थे तथा किरपाल लिए पंच प्यारों की अगुवाई में निकले नगर कीर्तन में शबद कीर्तन करते स्त्री पुरुषों के समूह और बैंड दल माहौल को भक्तिमय बना रहे थे। युवक,युवतियां रथ खींचते चल रहे थे उसके पीछे जबलपुर रांझी से आये रागी जत्थे के सदस्यों द्वारा एक वाहन में कीर्तन किया जा रहा था तथा पूरे मार्ग में पुष्प वर्षा के साथ अनेक लोगों ने स्वागत किया।

बच्चे, युवतियां, महिलाएं बनीं सेवादार

बच्चे, युवतियां, महिलाएं, युवाओं द्वारा पूरे नगर कीर्तन मार्ग में पानी का छिड़काव कर रास्ते में झाड़ू लगाकर सेवा का कार्य किया जा रहा था तथा आखरी में भजन कीर्तन कर रहीं महिलाओं की टोली चल रही थी। तेक तेक फतह पंथ की जीत हो राज करेगा खालसा, जो बोले सो निहाल सतश्री अकाल सहित अन्य नारे लगाते हुए सभी लोग चल रहे थे। नगर कीर्तन में महिलाएं सफेद सूट ओरेंज दुपट्टा एंव पुरुष सफेद कुर्ता पायजामा में चल रहे थे। आयोजन को सफल बनाने के लिए गुरु सिंह सबा कमेटी ने सिहोरा खितौला की साद संगत का आभार व्यक्त किया है।

सिहोरा ब्लाक कांग्रेस कमेटी का दीपावली मिलन समारोह आयोजित

सिहोरा। जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संजय यादव के नेतृत्व में सिहोरा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा मंझगवा के खम्परिया खितौला में दीपावली मिलन समारोह एवं कलेवा पार्टी का आयोजन बिहारी पटेल ब्लाक कांग्रेस कमेटी सिहोरा अध्यक्ष के संयोजक में किया गया। जिसमें संगठन की मजबूती का संकल्प लिया गया।

कार्यकर्ता कलेवा बांधकर साथ लाये

सभी कार्यकर्ता अपने साथ कलेवा साथ बांधकर लाये,जिसको तुम भी खाओ हम भी खायें के साथ सभी ने बैठकर ग्रहण किया। ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बिहारी पटेल के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रुप से रजनीश सिंह विधायक एवं संगठन प्रभारी जिला ग्रामीण,देवी सिंह चौहान सिहोरा विधानसभा प्रभारी मुख्य रुप से उपस्थित थे। इनके

अलावा भवानी साहू,अध्यक्ष कुंडम, राजेश तिवारी, रूपेंद्र पटेल,नित्यरंजन खंपरिया पूर्व विधायक, एड रविदीप सिंह, केशव मिश्रा, सुबोध पांडे, पार्षद राजेश चौबे, प्रकाश कुररिया, बाबा कुरैशी, अमोल चौरसिया, पवन सोनी, रामगोपाल पटेल, विपिन राय, मनीष सोनी, राजा पटेल, राजकुमार पटेल,मंजू मिश्रा, घनश्याम बडगैया, राजेश पटेल, दीपक पटेल, अवसर पटेल, हिमांशू पांडे, नीरज पाठक, बबुआ पटेल, लाल बहादुर पाठक, रमेश पटेल, दिनेश पटेल, आलोक पांडे,पार्षद रमेश पटेल, कौशल पटेल,आदि उपस्थित थे।

एलायंस क्लब मारबल रॉक्स ने मनाया दीपावली मिलन समारोह

जबलपुर। एलायंस क्लब जबलपुर मारबल रॉक्स (लेडीज) द्वारा दीपावली मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया, इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कमल चौरसिया संस्थापक पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर थे। अध्यक्ष सतीश साहू, लेडीज सचिव सुमन राय, सचिव प्रियंक श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का पुष्पहार से स्वागत किया एवं सभी सदस्यों को दीपावली पर्व की बधाई देते हुए स्वस्थ, समृद्ध एवं खुशहाल जीवन की कामना की। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर मनीष खरे, वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर विनोद तिवारी, डिस्ट्रिक्ट सचिन विभा ब्योहार, प्रियंका सोनी, कविता सराफ, नीना गुप्ता, दिलीप पटारिया, संजय सोनी, प्रो. एलपीएस राजपूत, शरद जेठा, प्रमोद खरे, आरती गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

CHANGE OF NAME
I, WAS KNOWN AS ISHRAQ AHAMAD FARIDI I, HAVE CHANGED THE SPELLING OF MY FIRST NAME AND HENCE FORTH I, SHALL BE KNOWN AS ISHRAQUE AHAMED FARIDI S/O ABDUL WAHAAB FARIDI RESIDENT OF- 42, SAKET COLONY, TIGHRA, KHAMARIYA, JABALPUR (M.P.) 482005.

श्रीमती गीता बाई दुबे- हाथीताल गुप्तेश्वर वार्ड निवासी श्री कृष्ण कुमार दुबे की धर्मपत्नी श्रीमती गीता बाई दुबे (61) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री नर्बदेश्वर पांडे- डिपो नं. 2 के पास गोरखपुर निवासी श्री नर्बदेश्वर पांडे (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री सागर सतनामी- बाबा टोला चौपड़ा कुआं के पास निवासी श्री राजमन सतनामी के पुत्र श्री सागर सतनामी (30) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री गुलाब सिंह सांकुले- कांचघर घमापुर थाने सामने निवासी श्री गुलाब सिह सांकुले (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री उमा शंकर बनाफर- फूटाताल कुम्हार मोहल्ला निवासी श्री उमा शंकर बनाफर (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री एसएल मलिक- न्यू रामनगर अधारताल निवासी श्री एसएल मलिक (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मुकेश बेन- गोरखपुर ईसाई मोहल्ला निवासी श्री छेदी लाल बेन के पुत्र श्री मुकेश बेन (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती शांति बाई- दूसरा पुल 30 बैरक शीला कम्पाउंड के सामने निवासी श्री छोटे लाल की धर्मपत्नी श्रीमती शांति बाई (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सोमकली कुचबंधिया- नेहरू वार्ड कुचबंधिया मोहल्ला निवासी श्री

पप्पू कुचबंधिया की धर्मपत्नी श्रीमती सोमकली कुचबंधिया (52) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती शांता बाई पवार- व्हीकल रिछाई जीआईएफ गेट नं. 2 के पास निवासी श्री किशोरी लाल पवार की धर्मपत्नी श्रीमती शांता बाई पवार (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री भगवान दास बेन- सिद्ध नगर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री भगवान दास बेन (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती दमयंती बाई कोष्टा- शास्त्री विहार मिलेनियम स्कूल के पास निवासी श्री दामोदर प्रसाद कोष्टा की धर्मपत्नी श्रीमती दमयंती बाई कोष्टा (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजू कोरी- राधाकृष्णन वार्ड झंडा चौक निवासी श्री राजू कोरी (56) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री सुंदर लाल रजक- ब्रह्मर्षि कॉलोनी गौरीघाट रोड निवासी श्री सुंदर लाल रजक (92) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुदेश कुमार मल्होत्रा- सन्मति नगर कीर्ति नगर के पास अधारताल निवासी श्री सुदेश कुमार मल्होत्रा (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने कहा फिर मिला छठ पूजा से अर्थव्यवस्था को बूस्टर

शहर में 20 करोड़ से अधिक और देशभर में 38 हजार करोड़ रुपए का व्यापार

▶▶जबलपुर/नई दिल्ली

संस्कारधानी सहित देशभर सूर्य देव को समर्पित चार दिनों का छठ पूजा का भव्य त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। 25 अक्टूबर से शुरू इस त्योहार से जुड़े पारंपरिक रीति-रिवाजों में शहर के करीब ढाई लाख और मध्यप्रदेश के लगभग 15 करोड़ भक्त शामिल हो रहे हैं। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार चार दिवसीय इस वर्ष छठ पूजा से मध्यप्रदेश सहित देश में लगभग 38,000 करोड़ रुपए का व्यापार होने की उम्मीद की जा रही है। बीते वर्ष छठ पूजा को लेकर यह आंकड़ा 31,000 करोड़ था, जो कि 7000 करोड़ रुपए की वृद्धि को दिखाता है। जबकि इससे पहले 2023 में यही आंकड़ा 27,000 करोड़ रुपए था, जो कि छठ से जुड़े व्यापार में समय के साथ हो रही बढ़ोतरी को दर्शाता है। संगठन के पदाधिकारियों के अनुसार शहर में इस पर्व पर कारोबार का आंकड़ा 20 करोड़ रुपए के पार जाने की उम्मीद है। गौरतलब है कि छठ पूजा का यह त्योहार मुख्य रूप से मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, दिल्ली, उत्तराखंड, हरियाणा, महाराष्ट्र और विदर्भ में रह रहे लोगों द्वारा मनाया जाता है। इसके अलावा देश के अलग-अलग राज्यों में रह रहे लाखों पूर्वांचली लोग भी इस पर्व को मनाते हैं। कैट के सेक्रेटरी जनरल प्रवीण खंडेलवाल और मध्यप्रदेश इकाई के प्रदेश अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा कि छठ पूजा के त्योहार से जुड़े मुख्य सामान में सूप, दौरा, बांस की टोकरियां, मिट्टी के दीए, गन्ना, केला, नारियल, सेब, नींबू जैसे फल, गेहूं और चावल का आटा, पारंपरिक ठेकुआ जैसी मिठाइयां, खजूर, पूजा का सामान, साड़ियां, पारंपरिक कपड़े, सजावट का सामान, दूध, घी, बर्तन, टेंट और मेहमाननवाजी की सेवाएं शामिल हैं। उन्होंने आगे बताया कि साड़ियां, लहंगा-चुनरी, महिलाओं के लिए सलवार-कुर्ता और कुर्ता-पायजामा, पुरुषों के लिए धोती जैसे पारंपरिक कपड़े अधिक से अधिक मात्रा में खरीदे जा रहे हैं, जिससे स्थानीय व्यापारियों और छोटे उद्योगों को फायदा हो रहा है।

छठ पूजा पर बाजारों में रौनक

बाजारों में हुई केला, नींबू, गन्ना, सिंघाड़ा, मूली अदरक, सुथनी और हरी सब्जियों की अच्छी बिक्री

60 लाख रुपए से अधिक की नारियल बिक्री

छठ पूजा के चलते ही के बाजारों में रौनक बढ़ी हुई है। बाजारों में सब्जी, फल और पूजन सामग्री की दुकानों पर खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ी हुई। रविवार को संस्कारधानी सभी हाट बाजारों में पूरे दिन खरीदारी का माहौल रहा। श्रद्धालु छठ माता की पूजा के लिए आवश्यक सामग्री की खरीदी करते व्यस्त दिखे। बाजारों में नारियल, केला, नींबू, गन्ना, ईख, सिंघाड़ा, मूली, अदरक, सुथनी और हरी सब्जियों की अच्छी बिक्री हुई। इसके अतिरिक्त, सेब, अमरूद, नारंगी और अनार जैसे फलों की भी खूब खरीदारी की गई। लोगों की बढ़ती मांग को देखते हुए कई अस्थायी दुकानें और ठेले भी सड़कों पर लगाए गए हैं। दुकानदारों के चेहरों पर भी उत्साह साफ झलक रहा था। महिलाएं साड़ी, डलिया, दौरा और पूजन थालियां खरीदने में जुटी रहीं। बाजारों में रंग-बिरंगी साड़ियों और पूजा सामग्री से सजी दुकानों ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया है। विक्रेताओं के अनुसार छठ पर्व पर मांग बढ़ने के कारण फलों और सब्जियों के दामों में मामूली बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। सभी भगवान सूर्य और छठी मइया की आराधना में पूरी श्रद्धा के साथ जुटे हुए हैं। लेकिन शाम होते-होते बाजारों की रौनक और बढ़ जाती है। छठ पूजा की खरीदारी से बाजारों में नई ऊर्जा और उल्लास का माहौल दिया है। श्रद्धालुओं की आस्था, दुकानदारों की व्यस्तता और प्रशासन की तैयारियों के बीच पूरा क्षेत्र इस पर्व में डूबा नजर आया।

बांस की बत्तियों से बने सूप और दउरा की खूब हुई बिक्री

बाजार में पीतल के सूप आने के बावजूद छठ पर्व पर बांस की पतली और चिपटी बत्तियों से बने सूप और दउरा की खूब खरीदी हुई। बाजारों में सूप के दाम 150 से 210 रुपए जोड़ा और दउरा के दाम डेढ़ से दो सौ रुपए जोड़ा तक बताए गए। उपनगरीय सहित अन्य क्षेत्रों में पूजन सामग्रियों के साथ नारियल की भी खूब खरीदी जारी है। कारोबारियों ने बताया कि छठ पर्व पर औसतन 60 लाख रुपए से अधिक की नारियल बिक्री का अनुमान है। कारोबारी बताते है कि संस्कारधानी के अलावा आस-पास के ग्रामीण अंचलों में भी छठ पर्व के चलते नारियल की अच्छी मांग है।

बाजार में सामग्री के दाम

- ▶▶सूप तथा सुपती – 150 से 200 रुपए जोड़ा
- ▶▶डगरा – 120- 150 रुपए प्रति नग
- ▶▶टोकरी – 150 से 300 रुपए प्रति नग
- ▶▶नारियल – 60 से 70 रुपए जोड़ा
- ▶▶हल्दी पौधा – 100 से 200 रुपए सैकड़ा
- ▶▶अदरख पौधा – 200 से 250 रुपए किलो
- ▶▶केला – 50 से 70 रुपए दर्जन
- ▶▶गन्ना – 20 से 50 रुपए प्रति नग
- ▶▶टाभा नींबू– 40 से 50 रुपए प्रति नग
- ▶▶सेव – 80 से 150 रुपए प्रति किलो
- ▶▶नारंगी – 100 से 150 रुपए प्रति किलो
- ▶▶अनार – 100 से 150 रुपए प्रति किलो
- ▶▶अमरूद – 60 से 90 रुपए प्रति किलो
- ▶▶अनानास – 60 से 80 रुपए प्रति नग
- ▶▶शकरकंद – 50 से 60 रुपए प्रति किलो
- ▶▶गाजर – 60 से 80 रुपए प्रति किलो
- ▶▶मूली – 20 से 30 रुपए गड्डी
- ▶▶पानीफल सिंघाड़ा – 40 से 60 रु. प्रति किलो
- ▶▶मिश्रीकंद – 60 से 80 रुपए प्रति किलो
- ▶▶बोड़ा – 40 से 60 रुपए प्रति किलो
- ▶▶पान – 2 रुपए प्रति नग
- ▶▶सुपाड़ी – 2 रुपए प्रति नग
- ▶▶नींबू- 10 रुपए के 4 से 5 नग

नरवाई जलाने पर एक व्यक्ति पर की गई प्राथमिकी दर्ज

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री हरेंद्र नारायन के निर्देशानुसार जिले में नरवाई जलाने के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना चौरई के अंतर्गत ग्राम नवेगांव मकरिया में अशोक पिता लक्ष्मी नारायण वर्मा द्वारा मक्का की नरवाई में आग लगाने का मामला सामने आया है। पटवारी द्वारा की गई रिपोर्ट पर पुलिस ने संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। बताया गया कि 26 अक्टूबर की शाम लगभग 5:30 बजे अशोक पिता लक्ष्मीनारायण वर्मा ने नवेगांव मकरिया स्थित खसरा नंबर 240, रकबा 3.510 हेक्टेयर की भूमि, जो रमणीत और जितेन्द्र पिता रामनारायण निवासी नवेगांव मकरिया के स्वामित्व में है और ठेके पर ली गई थी, में उपेक्षापूर्वक मक्का की नरवाई में आग लगाई। आग लगने से खेत की नरवाई जल गई।

सनसनीखेज वारदात: पत्नी की हत्या कर फांसी पर झूला पति, जाँच में जुटी पुलिस!

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले के पौंडी गांव के बैगा टोला में शनिवार को एक बुजुर्ग और उनकी पत्नी का शव मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बालाघाट से एफएसएल टीम बुलाकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान शंभूलाल पिता सीताराम कावरे (60) और पत्नी की पहचान सरस्वती बाई कावरे (50) के रूप में हुई है। दंपती की तीन बेटियां हैं, जिनका विवाह हो चुका है। घर में दंपती रहते थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सरस्वती बाई लंबे समय से बीमार चल रही थीं। उनका इलाज भी जारी था।

भरवेली थाना क्षेत्र के सुरवाही निवासी मृत दंपती के दामाद पुष्पराम चौधरी ने पुलिस को बताया कि शनिवार को वह अपने भानजे नीलेश नेवारे के साथ समनापुर में एक तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। वहां से वे अपने ससुर के घर बैगा टोला गए। घर का दरवाजा सामने से बंद था। जब उन्होंने दरवाजा धक्का देकर खोला तो बीच वाले कमरे में सास सरस्वती बाई कावरे जमीन पर गिरी मिलीं, उनके सिर के पास खून फैला था। पास ही ससुर शंभुलाल कावरे रस्सी से फांसी पर लटके हुए थे। पुष्पराम ने तत्काल 112 पर सूचना दी।

रूपझर थाना निरीक्षक जे.डी. पटले ने बताया कि प्रारंभिक जांच से ऐसा लग रहा है कि पति ने पहले पत्नी की हत्या की। फिर आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा कि बालाघाट से एफएसएल टीम बुलाकर मामले की जांच की जा रही है।

मछली पकड़ने नाले में गए 60 वर्षीय व्यक्ति का उतराता मिला शव

हरिभूमि न्यूज **बालाघाट।** परसवाड़ा थाना अन्तर्गत ग्राम नाटा के पंडाटोला में एक 60 वर्षीय प्रौढ़ की नाले के पानी में डूबने से मौत हो गई। मृतक का नाम अशोक मेरावी पिता उम्र 60 वर्ष, निवासी पंडाटोला नाटा, बताया जा रहा है।

परसवाड़ा पुलिस को ग्रामीणों ने सूचना दी कि ग्राम नाटा के पंडाटोला निवासी अशोक मेरावी रविवार की सुबह करीब 6 बजे डंडईझोड़ी के नाले में मछली पकड़ने गया हुआ था। जिसका नाले के पानी में उतराता हुआ शव ग्रामीणों ने देखा। जिसकी सूचना परिजनों और परसवाड़ा पुलिस को सूचना दी गई जिसके बाद मौके पर पहुंची परसवाड़ा पुलिस के नगर निरीक्षक मदन इवने हमराह टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। और शव को नाले से बाहर निकाला। पंचनामा कार्यवाही करते हुए मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परसवाड़ा लाया गया। शाम होने की वजह से पोस्टमार्टम नहीं हो सका। सोमवार सुबह पोस्टमार्टम पश्चात शव परिजनों को सौंप दिया जायेगा।

आशंका जाहिर की जा रही है कि मछली पकड़ने गए हुए प्रौढ़ के नाले के किनारे पैर फिसलने से पानी में गिर कर मौत हुई होगी। बताया जा रहा है कि मृतक प्रौढ़ के घर पर दो बेटे बहुएं और पत्नी है। जो बांस के डल्ले और टुकनी बनाकर बेचता और जीवन चलाता था। बहरहाल परसवाड़ा पुलिस द्वारा मामले पर मर्ग कायम कर विवेचना की जा रही है।

ग्राहक बनकर आए दो बदमाशों ने सराफा दुकान से उड़ाई सोने की चेन, चाकघाट कस्बे में घटना को अंजाम देकर फैलाई सनसनी

रीवा।

रीवा मे ग्राहक बनकर आए बदमाशों ने सर्राफा दुकान से सोने की चेन चोरी कर सनसनी फैला दी। घटना का पता दुकान संचालक को तब चला जब आरोपी फरार हो चुके थे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।मामला चाकपाट कस्बे का है। वहां स्थित मनीष ज्वेलर्स में शनिवार सुबह करीब 11 बजे दो बदमाश बाइक से पहुंचे। उस समय संचालक मनीष सोनी दुकान में मौजूद थे। दोनों ने खुद को ग्राहक बताते हुए जेवर देखने की बात कही। मनीष जब उन्हें जेवर दिखाने लगे तो बदमाशों ने बातों में उलझाकर बड़ी सफाई से सोने की चेन पार कर ली। कुछ देर बाद वे सामान पसंद न आने की बात कहकर दुकान से निकल गए। व्यापारी ने सामान जांचा तो चेन गायब मिली। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इसमें दोनों बदमाश चेन चुराते स्पष्ट दिख रहे हैं। पुलिस ने फुटेज जमा कर लिया है और आरोपियों की पहचान में जुट गई है। अनुमान लगाया जा रहा कि दोनों बदमाश बाहरी इलाके के है, जो वारदात को अंजाम देकर फरार ही गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।महिलाओं की गैंग भी सक्रियसर्राफा दुकानों में घटनाओं को अंजाम देने वाली महिलाओं की गैंग भी सक्रिय है। गैंग ने माह भर पूर्व समान याने के कोष्टा के समीप स्थित सर्राफा दुकान में घटना को अंजाम दिया था। इससे पूर्व भी महिलाओं की गैंग ने जिले के दर्जनभर से अधिक थाना क्षेत्रों में वारदात को अंजाम दिया है। अधिकांश मामलों कर खुलासा नहीं हो पाया है

मासूम हुसैन की मौत ने खोली सरकारी दावों की पोल

सतना। कुपोषण की स्थिति नियंत्रण से बाहर हो चुकी है,जहां एक ओर सरकारी गाइडलाइन के अनुसार आंगनबाड़ी केंद्रों में कुपोषण की दर 6.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए,वहीं हकीकत में कई केंद्रों में यह आंकड़ा 36 प्रतिशत तक पहुंच गया है। जिले की विभिन्न परियोजनाओं के करीब 125 आंगनबाड़ी केंद्रों में कुपोषण का स्तर निर्धारित सीमा से कहीं अधिक पाया गया है।

अति गंभीर कुपोषण का भयावह स्तर

महिला बाल विकास विभाग के आंकड़ों के अनुसार,इन 125 केंद्रों में जांच किए गए 4386 बच्चों में से 468 बच्चे 'अति गंभीर कुपोषण' की श्रेणी में मिले। यह कुल बच्चों का 10.6 प्रतिशत है,जबकि निर्धारित मानक 2 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए। नागौद परियोजना के पनास आंगनबाड़ी केंद्र की स्थिति तो और भी भयावह है,जहां 19 बच्चों की जांच में 7 बच्चे अति गंभीर कुपोषित पाए गए,जो 36.8 प्रतिशत का चौंकाने वाला आंकड़ा है। सतना-2 परियोजना के केंद्र क्रमांक-36 में 44 बच्चों में 11 बच्चे (25 प्रतिशत) कुपोषण की चपेट में मिले। जिले के चित्रकूट,नागौद,रामपुर,सोहावल और उचेहरा जैसी कई परियोजनाओं के दर्जनों केंद्रों में कुपोषण का स्तर 7 प्रतिशत से लेकर 36.8 प्रतिशत तक दर्ज किया गया है।

आंगनबाड़ी केंद्र बंद, कार्यकर्ता गायब

कई केंद्रों में भारी लापरवाही उजागर हुई। परियोजना सतना-2 के केंद्र क्रमांक-36 पर शनिवार दोपहर 12.20 बजे बच्चे और कार्यकर्ता नदारद मिले,सहायिका ने तबीयत खराब होने का बहाना बताया। आइटीआइ बसोर बस्ती केंद्र क्रमांक-99 दोपहर 1.30 बजे बंद मिला। नई बस्ती चार मंदिर के समीप संचालित केंद्र क्रमांक-109 भी 1.05 बजे बंद था,जहां पोषण आहार (खिचड़ी और लपसी) बर्तनों में रखा मिला और कार्यकर्ता-सहायिका अनुपस्थित थीं।

मासूम हुसैन की मौत और लापरवाहों पर कार्रवाई

मझगवां विकासखंड के ग्राम मरवा निवासी 4 माह के हुसैन रजा की अति गंभीर कुपोषण,निमोनिया और सेप्टिस के कारण मौत होने के बाद स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग में हड़कंप मच गया है। जिला अस्पताल में 20 अक्टूबर को मासूम की मौत हुई। जांच में सामने आया कि बच्चे के नियमित फॉलोअप और टीकाकरण में लापरवाही बरती गई,जबकि जन्म के समय उसका वजन 3 किलो था। इस लापरवाही के लिए स्वास्थ्य विभाग ने जैतवारा क्षेत्र के सेक्टर मेडिकल ऑफिसर डॉ.शारदा प्रसाद श्रीवास्तव,सेक्टर सुपरवाइजर आरके शुक्ला और आरबीएसके टीम पर वेतन वृद्धि रोकने और नोटिस जारी करने जैसी कार्रवाई की है। वहीं,आशा कार्यकर्ता उर्मिला सतनामी और प्रियंका श्रीवास्तव को कार्य से पृथक कर दिया गया।

ग्राम पंचायत रजोला का मामला, जिला अस्पताल में महिला ने इलाज के दौरान तोड़ा दम

उल्टी दस्त ने ले ली महिला की जान, परिजनों ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶सिंगोड़ी

सिंगोड़ी के समीप ग्राम पंचायत रजोला की रहने वाली महिला की उल्टी दस्त से जिला अस्पताल में मौत के बाद डाक्टर और उपचार पर सवाल उठ खड़ा हो गया एक तरफ जहां मृतिका के परिजनों ने उपचार को लेकर जिला अस्पताल में प्रदर्शन किया वही सिंगोड़ी पुलिस चौंकी पहुंचकर मृतिका के देवर ने ग्रामीणों और ब्लाक कांग्रेस कमेटी के साथ मिलकर लापरवाही और मुआवजा को लेकर ज्ञापन सौपा है।

पीड़ित परिजन शव को लेकर रजोला जाते समय सिंगोड़ी पुलिस चौकी प्रभारी पंकज राय को मृतिका के देवर मयूर चंद्रवंशी ने ग्रामीणों और ब्लाक कांग्रेस कमेटी के साथ जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया की मृतिका पीड़ित दुर्गा चंद्रवंशी 36 वर्ष पति स्व. नरेश चंद्रवंशी, निवासी रजौला को दूषित पानी पीने से पेठ में दर्द और दस्त हुआ जिसके बाद शनिवार को 108 की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती किया गया था जिला अस्पताल के डाक्टर व स्टाप की लापरवाही के कारण मौत हो गई। चूंकि परिवार में दो छोटे बच्चें है पिता नरेश चंद्रवंशी का पहले निधन हो गया और अब बच्चो की मां दुर्गा चंद्रवंशी की भी लापरवाही के कारण मौत हो गई। इस मामले में सुबह से ही गांव में मातम पसरा हुआ था। ज्ञापन सौंपने वालों में सेलू सेंगर महेश धुर्वे आशीष जैन बिनोद सिंगोरे आशिफ मिस्किनी राजेश पटेल फिरोज खान रविंद्र धुर्वे केतन पटेल सहित परिजन शामिल थे।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र के 403 घरों में पहुंची बिजली

बालाघाट। जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र एवं जनजातीय बहुल ग्रामों में विद्युतीकरण के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे हैं। कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देश पर मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के अधिकारियों द्वारा जिन घरों में बिजली की सुविधा नहीं है, उन घरों में बिजली की रोशनी पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के अधीक्षण यंत्री श्री अमित कुमार ने बताया कि बालाघाट जिले के नक्सल प्रभावित एवं जनजातीय गांवों की बसाहटों के अविद्युतीकृत घरों में विद्युतीकरण कार्य के लिए भारत सरकार के धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत सर्वे का कार्य किया गया है। सर्वे के पश्चात जिले के 216 गांवों में 1022 बिजली कनेक्शन के लिए लाईन विस्तार के माध्यम से एवं 78 परिवारों में सोलर के माध्यम से बिजली की रोशनी पहुंचाने का कार्य प्रस्तावित है। इस कार्य पर 01 करोड़ 76 लाख रुपये की राशि खर्च होना है।

अधीक्षण यंत्री श्री अमित कुमार ने बताया कि धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत अब तक परसवाडा विकासखंड के ग्राम आमवाही, बड़गांव, बारिया, चनई, डोरा, फंडकी, घोड़ादेही, केशा, खलोंडी, खर्रा, नाटा, सुकड़ी के कुल 403 जनजातीय परिवारों के घरों में विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। शेष ग्रामों में विद्युतीकरण का कार्य प्रगति पर है। इस कार्य को 30 नवंबर 2025 तक विभाग द्वारा पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। दुर्गम क्षेत्र के ग्रामों तक घने वनों के बीच से बिजली की लाईन पहुंचाने का कार्य कठिन परिश्रम के साथ किया जा रहा है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्र एवं जनजातीय बहुल ग्रामों के घरों में बिजली पहुंचने से हितग्राही परिवारों के घरों का अंधियारा दूर हुआ है और बिजली की रोशनी उनके जीवन को खुशहाल बना रही है। घर में बिजली पहुंचने से 403 परिवारों के जीवन में भी बदलाव आ रहा है। अब उन्हें रात के समय घर में रोशनी के लिए मिट्टी तेल या अन्य साधनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। बिजली पहुंचने से उनके बच्चों को रात में पढ़ाई के लिए समय और अच्छा वातावरण मिलने लगा है। बिजली की सुविधा होने से वे संचार के साधनों का भी सुगमता से उपयोग करने लगे हैं। अब उन्हें मोबाईल को चार्ज करने के लिए यहां-वहां भटकना नहीं पड़ता है।

ईपीएस के 10 साल पूरे होने से पहले सारे ही पैसे निकालना कितना सही

अपडेट | बिजनेस डेस्क

- पहले सारा पैसा निकालने पर नहीं मिलती मासिक पेंशन, पेंशन के लिए लगातार दस ईपीएस का हिस्सा रहना जरूरी
- ईपीएस मेंबर को 36 महीने के भीतर दोबारा नौकरी मिल जाती है, तो उसकी ईपीएस मेंबरशिप और पेंशन एलिजिबिलिटी बनी रहेगी

अगर आप नौकरीपेशा हैं और ईपीएफ (ईपीएम) में योगदान करते हैं, तो आपके वेतन का एक हिस्सा ईपीएस यानी एंप्लाइज पेंशन स्कीम में भी जाता है। बहुत से लोग यह सोचते हैं कि नौकरी छोड़ने या बीच में ब्रेक आने पर इस पैसे को फौरन निकाल लेना बेहतर है, लेकिन क्या वाकई ईपीएस के 10 साल पूरे होने से पहले सारे पैसे निकाल लेना सही फैसला है? कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने हाल ही में ईपीएस से जुड़े कुछ बदलाव किए हैं, हालांकि, इन बदलावों का असर पेंशन पाने की उम्र यानी 58 साल की एलिजिबिलिटी पर नहीं पड़ेगा। पेंशन पाने के लिए किसी सदस्य का कम से कम 10 साल तक लगातार ईपीएस का हिस्सा रहना जरूरी है। अगर किसी सदस्य की नौकरी चली जाती है और वह ईपीएस (ईपीएस) के लिए योगदान जारी नहीं रखना चाहता, तो वह 10 साल पूरे होने से पहले अपने सारे पैसे निकाल सकता है. पहले यह फाइनल सेटलमेंट नौकरी चले जाने के 2 महीने बाद किया जा सकता था, लेकिन अब इसके लिए 2 महीने नहीं, बल्कि 36 महीने यानी 3 साल तक इंतजार करना होगा, यानी ईपीएफओ ने अब ईपीएस के पैसे निकालना पहले की तुलना में ज्यादा मुश्किल बना दिया है, इस बदलाव का उद्देश्य यह है कि अगर ईपीएस मेंबर को 36 महीने के भीतर दोबारा नौकरी मिल जाती है, तो उसकी ईपीएस मेंबरशिप और पेंशन एलिजिबिलिटी बनी रह सके।

10 साल से पहले पैसे निकालने का असर

ईपीएफओ के नियमों के मुताबिक आप लगातार नौकरी के 10 साल पूरे होने से पहले ईपीएस से पैसे निकाल सकते हैं। लेकिन ऐसा करने पर आप आगे चलकर मिलने वाली पेंशन के लिए एलिजिबल नहीं रह जाएंगे। यानी रिटायरमेंट के बाद ईपीएस के जरिये मिलने वाली मंथली पेंशन की सुविधा खत्म हो जाएगी।ईपीएफओ के अनुसार रिटायरमेंट के समय पेंशन पाने की एलिजिबिलिटी के लिए किसी सदस्य का कम से कम 10 साल तक ईपीएस में सदस्य रहना जरूरी है। इसका मतलब यह है कि जल्दबाजी में पैसे निकालने से आप अपनी लंबी अवधि की आर्थिक सुरक्षा खो सकते हैं।

क्या कहते हैं आंकड़े

दिलचस्प बात यह है कि ईपीएफओ के आंकड़ों के मुताबिक करीब 75 प्रतिशत सदस्य 4 साल की सर्विस के भीतर ही पूरा पेंशन अमाउंट निकाल लेते हैं, ऐसे में उन्हें भविष्य की पेंशन और आर्थिक सुरक्षा का लाभ नहीं मिल पाता है।

फैमिली पेंशन का भी नुकसान

अगर कोई सदस्य 10 साल से पहले पैसे नहीं निकालता है और उसका निधन हो जाता है, तो उसके परिवार को अगले 3 साल तक पेंशन का लाभ मिलता है, लेकिन अगर सदस्य ने पूरे पैसे निकाल लिए हैं, तो परिवार यह लाभ नहीं ले सकता। यही वजह है कि ईपीएफओ ने ईपीएस की सदस्यता को 10 साल पूरे होने तक जारी रखने के लिए नियमों में बदलाव किए हैं। ईपीएफओ का कहना है कि ईपीएस के पैसे निकालने के लिए दो महीने की जगह 36 महीने इंतजार करने का नया प्रावधान इसीलिए लाया गया है ताकि सदस्यों की 10 साल की एलिजिबिलिटी पूरी हो जाए और उनके परिवार को भी पेंशन का लाभ मिल सके।

किन हालात में निकाल सकते हैं पैसे

हालांकि कुछ खास परिस्थितियों में पैसे निकालने का फैसला सही भी हो सकता है। मिसाल के तौर पर अगर किसी व्यक्ति की आमदनी अच्छी खासी है या उसने पहले से अपनी रिटायरमेंट प्लानिंग की हुई है, जिसके चलते वह रिटायरमेंट के बाद रेगुलर इनकम या फेमिली पेंशन पाने के लिए ईपीएस के भरोसे नहीं है, तो जरूरत पड़ने पर अपने पैसे निकाल सकता है। लेकिन जिनकी आय सीमित है और दूसरा कोई रिटायरमेंट प्लान नहीं है, तो उनके लिए ईपीएस को जारी रखना भविष्य की सुरक्षा के लिहाज से बेहतर विकल्प है। ईपीएस पेंशन स्कीम लंबे समय तक आर्थिक सुरक्षा देने के लिए बनाई गई है। अगर आप 10 साल पूरे होने से पहले पैसा निकालते हैं, तो भविष्य में पेंशन नहीं मिलेगी। साथ ही फेमिली पेंशन के तौर पर परिवार को मिलने वाली सुरक्षा का लाभ भी चला जाएगा। इसलिए नौकरी में ब्रेक या अस्थायी परेशानी की हालत में जल्दबाजी करने की बजाय सोच-समझकर फैसला करने में ही समझदारी है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

- यह दूसरी करेंसीज में इनवेस्ट करने वालों के लिए और अट्रैक्टिव हो जाता है
- पहले निवेशक पूरे पोर्टफोलियो की तुलना में 10 से 12% पैसा सोने में निवेश करते थे
- अब बाजार की तेजी को देखते हुए निवेशक 18 से 22% सोने में निवेश करने लगे

गोल्ड और अमेरिकी डॉलर के बीच दिलचस्प संबंध देखने को मिला
जब डॉलर में कमजोरी आती है तो गोल्ड की चमक बढ़ती जाती है

सोने में निवेश सबसे सुरक्षित, लेकिन जरूरत से ज्यादा भी ठीक नहीं

सोने को शुरू से ही निवेश का सबसे सुरक्षित माध्यम माना जाता रहा है। इसने निवेशकों को कभी रुसवा नहीं किया। पिछला रिकॉर्ड देखा जाए तो सोने ने कभी भी निगेटिव रिटर्न नहीं दिया। यह चाहे किसी भी रूप में हो निवेशकों को मालामाल करता रहा है। हालांकि बाजार के जानकारों का कहना है कि सोने में निवेश करना सही है, लेकिन यह जरूरत से ज्यादा नहीं होना चाहिए। हाल फिलहाल में सोने में हुई बढ़ोतरी को देखते हुए निवेशकों ने अपने पोर्टफोलियो में इसकी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। पहले निवेशक पूरे पोर्टफोलियो की तुलना में 10 से 12 फीसदी पैसा सोने में निवेश करते थे, लेकिन अब निवेशक 18 से 22 फीसदी सोने में निवेश करने लगे हैं। यहां तक तो ठीक हैं, लेकिन इससे अधिक रिस्की हो सकता है। इस साल आई जबर्दस्त तेजी की वजह से सोना चर्चा में है। 21 अक्टूबर को 5 फीसदी की गिरावट के बावजूद गोल्ड ने निवेशकों को मालामाल किया है। सवाल है कि आखिर गोल्ड में इतनी तेजी की क्या वजह है? इस सवाल का जवाब पाने के लिए हमें ग्लोबल इकोनॉमी में गोल्ड की भूमिका को समझना होगा।

1944 का ब्रेटन वुड्स एग्रीमेंट

सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद 1944 में ब्रेटन वुड्स एग्रीमेंट हुआ। तब अमेरिकी डॉलर में दुनिया के दूसरे देशों की करेंसीज की कीमत तय करने पर सहमति बनी। डॉलर की कीमत गोल्ड पर आधारित थी। 35 डॉलर एक औंस सोने के बराबर था। इस व्यवस्था से ग्लोबल इकोनॉमी को तब स्थिरता मिली, जब उसे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। लेकिन, अमेरिकी इकोनॉमी का आकार बढ़ने पर सरकार ने ज्यादा डॉलर छापे। एक समय ऐसा आया जब कुल डॉलर का मूल्य गोल्ड रिजर्व से ज्यादा हो गया।

1960 के दशक में एक कमोडिटी के रूप में उभरा गोल्ड

1960 का दशक आते-आते इस असंतुलन की अनदेखी करना मुश्किल हो गया। 1971 में अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन ने एक बड़ा कदम उठाया। उन्होंने डॉलर को गोल्ड में बदलने की सुविधा बंद कर दी, जिससे ब्रेटन वुड्स सिस्टम खत्म हो गया। इससे मॉनेटरी सिस्टम में गोल्ड की तय भूमिका खत्म हो गई। इसके बाद गोल्ड एक कमोडिटी बनकर रह गया। इसकी कीमतों पर मार्केट फोर्सेज का असर पड़ना शुरू हो गया, लेकिन, निवेश के सुरक्षित विकल्प को लेकर इसकी भूमिका बनी रही।

केंद्रीय बैंकों ने समझा गोल्ड का महत्व

जैसे-जैसे डॉलर कमजोर होता गया और इनफ्लेशन बढ़ता गया, वैसे-वैसे गोल्ड की अपील बढ़ती गई। जब कभी डॉलर में बड़ी कमजोरी आई या इनफ्लेशन में उछाल आया, गोल्ड निवेश के भरोसेमंद जरिया के रूप में सामने आता रहा। क्राइसिस के समय भी इसकी चमक बनी रही। इससे यह माना गया कि जब सबकुछ अनिश्चित दिख रहा तो तब भी गोल्ड में वेल्थ

की वैल्यू घटने से बचाने की क्षमता है। इसके बाद दुनिया के केंद्रीय बैंकों ने गोल्ड खरीदना शुरू कर दिया। इसका मकसद विदेशी मुद्रा भंडार का डायवर्सिफिकेशन था।

गोल्ड में तेजी की बड़ी वजहें

बीते कुछ सालों में गोल्ड और अमेरिकी डॉलर के बीच दिलचस्प संबंध देखने को मिला है। जब डॉलर में कमजोरी आती है तो गोल्ड की चमक बढ़ती है। इससे यह दूसरी करेंसीज में इनवेस्ट करने वाले इनवेस्टर्स के लिए और अट्रैक्टिव हो जाता है। बॉन्ड्स की रियल यील्ड ने भी इसमें अहम भूमिका निभाई। जब रियल यील्ड घट जाती है तो गोल्ड की अपील बढ़ जाती है। जब हम साल 2025 के अंत के करीब है, गोल्ड 4000 डॉलर प्रति औंस से ऊपर है। गोल्ड की तेजी में डॉलर में कमजोरी, बॉन्ड्स की कम रियल यील्ड और सेंट्रल बैंकों के बीच गोल्ड की ज्यादा डिमांड का हाथ है। इसके अलावा जियोपॉलिटिकल टेंशन का असर भी इसमें शामिल है।

इकोनॉमी में गोल्ड की बढ़ती भूमिका

गोल्ड में तेजी न सिर्फ इनवेस्टर्स के लिए अहम है बल्कि इसका आर्थिक महत्व भी है। उदाहरण के लिए भारत में आरबीआई के रिजर्व में डॉलर के अलावा गोल्ड भी है। जब गोल्ड में तेजी आती है तो आरबीआई के डॉलर रिजर्व की वैल्यू बढ़ जाती है। इससे इंडिया की फाइनेंशियल पोजीशन मजबूत होती है। गोल्ड का असर भारत में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) पर भी पड़ता है। उदाहरण के लिए सितंबर 2025 में गोल्ड की ज्यादा कीमतों की वजह से इंडिया के कोर इनफ्लेशन में मामूली उछाल देखने को मिला, जबकि फूड की कीमतों में गिरावट आई। इससे पता चलता है कि गोल्ड की भूमिका इकोनॉमी में कितनी ज्यादा है।

गोल्ड में तेजी जारी रहने की उम्मीद

गोल्ड में तेजी जारी रहने की उम्मीद है। इसकी कई वजहें हैं। रियल यील्ड लगातार कम बनी हुई है। सेंट्रल बैंक के बीच गोल्ड की डिमांड बनी हुई है, लेकिन, इतिहास यह बताता है कि ऐसी तेजी के बाद गोल्ड दोबारा नई ऊंचाई पर पहुंचने से पहले कंसॉलिडेशन फेज में रहता है। इसलिए गोल्ड में तेजी जारी रहने की संभावना है, लेकिन इनवेस्टर्स को इसमें उतार चढ़ाव के लिए तैयार रहना चाहिए।

एक सीमा से ज्यादा निवेश सही नहीं

कई इनवेस्टर्स इनफ्लेशन से बचाव, करेंसी में कमजोरी और ग्लोबल इकोनॉमी में अनिश्चितता को देखते हुए गोल्ड में निवेश कर रहे हैं। लेकिन, गोल्ड में बहुत ज्यादा निवेश से आपके पोर्टफोलियो पर इसकी कीमतों में तेजी या कमजोरी का असर पढ़ना शुरू हो जता है। ऐसे में बॉन्ड बड़ा रोल निभाता है। अनिश्चित समय में तो गोल्ड का प्रदर्शन अच्छा रहता है लेकिन, जब सबकुछ ठीक चल रहा होता है तो क्या होता है? बॉन्ड्स पोर्टफोलियो में स्टैबिलिटी लाता है। साथ ही इंटरेस्ट के रूप में इससे रेगुलर इनकम होती है। यह फायदा गोल्ड में नहीं है। ऐसे इनवेस्टर्स जिन्हें रेगुलर कैश की जरूरत पड़ती है, उनके डायवर्सिफायड पोर्टफोलियो में बॉन्ड्स का होना जरूरी है।

ऑफर देखकर न ललचाएं ज्यादा जरूरत होने पर ही पर्सनल लोन उठाएं, वरना यह बढ़ा सकता है परेशानी

पर्सनल लोन एग्रीमेंट पर साइन से पहले चेक करें कुछ बातें, वरना पड़ेगा पछताना

अलर्ट | बिजनेस डेस्क

बैंक और एनबीएफसी लोन एग्रीमेंट में कई ऐसी शर्तें जोड़ देते हैं जो करती हैं परेशान, ऐसे में ऐसी शर्तों पर पहले से ही नजर दौड़ा लें, दिक्कत नहीं होगी

कई बार हमें अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाती है चाहे मेडिकल इमरजेंसी हो, शादी का खर्च या फिर किसी जरूरी ट्रिप का खर्चा। ऐसे में पर्सनल लोन एक आसान रास्ता लगता है। कुछ क्लिक या एक फॉर्म भरकर पैसा खाते में आ जाता है, लेकिन यही आसानी कई बार बाद में परेशानी का कारण भी बन जाती है, अगर आपने लोन एग्रीमेंट के कागजों को ध्यान से नहीं पढ़ा। बैंक और एनबीएफसी लोन एग्रीमेंट में कई ऐसी शर्तें जोड़ देते हैं, जिन पर नजर न गई तो बाद में पछताना पड़ सकता है।

प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर चार्जेज

कई लोग सोचते हैं कि लोन जल्दी चुका देंगे तो ब्याज बच जाएगा, लेकिन हर बैंक या फाइनेंशियल इंस्टिट्यूशन इसकी इजाजत नहीं देता। अगर आप लोन तय समय से पहले चुका देते हैं, तो आपको प्रीपेमेंट या फोरक्लोजर चार्जेज देने पड़ सकते हैं, जो आम तौर पर बाकी बचे लोन अमाउंट का 2% से 5% तक होता है। इसलिए साइन करने से पहले यह जरूर समझ लें कि आपका बैंक या एनबीएफसी पर्सनल लोन जल्दी चुकाने पर कितने चार्जेज वसूलेगा।

लेट पेमेंट और डिफॉल्ट पेनॉल्टी

एक भी ईएमआई छूटना आपके क्रेडिट स्कोर को नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन इसके साथ ही, बैंक लेट पेमेंट पर पेनाल्टी चार्ज भी वसूलते हैं। कुछ बैंक एक तय रकम लेते हैं, तो कुछ बाकी बचे ईएमआई अमाउंट का एक प्रतिशत। यही वजह

है कि देर से भुगतान करने पर ब्याज से ज्यादा रकम चुकानी पड़ सकती है। इससे बचने का सबसे आसान तरीका है ऑटो डेबिट ऑर्डर लगाना, ताकि ईएमआई समय पर कट जाए।

छिपे हुए प्रोसेसिंग व सर्विस चार्जेस

बैंक जब लोन का ब्याज दर बताते हैं, तो वह तो साफ होता है, लेकिन बाकी के चार्जेस अक्सर ध्यान नहीं जाते। जैसे प्रोसेसिंग फीस, डॉक्युमेंटेशन फीस और जीएसटी आदि। यहां तक कि कुछ बैंक फोरक्लोजर लेटर या लोन स्टेटमेंट के लिए भी शुल्क वसूलते हैं। इसलिए हमेशा साइन करने से पहले बैंक से यह पूछें कि कुल मिलाकर आपकी जेब से कितनी रकम कटेगी। आखिरकार, जो लोन अमाउंट आपको मिलेगा, वह इन चार्जेस के बाद थोड़ी कम ही होगी।

ब्याज दर में बदलाव से जुड़ी शर्तें

अगर आपने फ्लोटिंग रेट वाला पर्सनल लोन लिया है, तो यह समझना जरूरी है कि ब्याज दर में बदलाव कब और कैसे होगा। कुछ बैंक हर तिमाही में रेट बदलते हैं, तो कुछ साल में एक बार. अगर ब्याज दरें बढ़ती हैं तो आपकी ईएमआई भी बढ़ सकती है। इसलिए एग्रीमेंट में दिए गए इस क्लॉज को जरूर पढ़ें ताकि बाद में बढ़ी हुई किस्त देखकर झटका न लगे।

बीमा और क्रॉस-सेलिंग की चाल

कई बैंक पर्सनल लोन के साथ एक बीमा पॉलिसी भी जोड़ देते हैं, जो बेरोजगारी, बीमारी या मृत्यु की स्थिति में लोन को कवर करती है। सुनने में यह सुरक्षा जैसा लगता है, लेकिन अक्सर यह बीमा वैकल्पिक होता है. कुछ बैंक इसे अनिवार्य बताकर जोड़ देते हैं। इसलिए साइन करने से पहले यह साफ कर लें कि क्या यह बीमा जरूरी है, और क्या उसकी प्रीमियम लागत वाजिब है।

हर शर्त को समझना बेहद जरूरी

पर्सनल लोन एक सुविधाजनक विकल्प जरूर है, लेकिन इसके साथ जुड़ी हर शर्त को समझना बेहद जरूरी है। छोटी-छोटी बातों पर ध्यान न देने से बाद में भारी ब्याज, चार्जेस या अन्य पेनाल्टी झेलनी पड़ सकती है। इसलिए अगली बार जब भी आप किसी लोन डॉक्यूमेंट पर साइन करें, तो जल्दबाजी न करें। हर पेज, हर क्लॉज को ध्यान से पढ़ें और समझें। आखिरकार, लोन से राहत तभी मिलेगी जब आप इसके हर नियम को समझदारी से निभाएंगे।

घर में कितनी रख सकते हैं चांदी कमाई पर कैसे लगता है टैक्स

बिजनेस डेस्क

निवेश की दुनिया में सोना के साथ एक और एसेट क्लास सबसे ज्यादा चर्चा में है, जो है चांदी। वजह इसमें मिल रहा सुपर रिटर्न। साल 2025 में रिटर्न के मामले में चांदी ने सोने को पीछे छोड़ दिया है। इस साल चांदी का रिटर्न 73फीसदी से अधिक रहा है। इससे निवेशकों के बीच चांदी की डिमांड बढ़ रही है, चाहे वह किसी भी फॉर्मेट में हो। तो यहां 2 बातें समझ लेना जरूरी है कि आप अपने घर में अधिक से अधिक कितना चांदी रख सकते हैं, ताकि इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का कोई झंझट न हो। वहीं इससे होने वाली कमाई पर कितना टैक्स लगता है।

चांदी रखने पर लिमिट नहीं

सोने की तरह, चांदी (जैसे सिक्के, गहने, बर्तन आदि) रखने पर इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के तहत कोई सीमा तय नहीं की गई है। अगर चांदी कानूनी तरीके से खरीदी गई या विरासत में मिली है, तो उस पर कोई रोक नहीं है। टैक्स तभी लगता है जब आप चांदी बेचते हैं और उस पर कैपिटल गेंस (लाभ) कमाते हैं। टैक्स सिर्फ बिक्री पर या छुपाई गई संपत्ति पाए जाने पर लगता है। हालांकि घर पर कितनी भी चांदी रखने की सीमा नहीं है, लेकिन अगर आपके पास ज्यादा चांदी है, तो उसकी खरीद के प्रमाण (बिल या रसीद) संभाल कर रखना बेहतर है। अगर आपने चांदी किसी ज्वेलर, डीलर या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से खरीदी है, तो उसका असली बिल जरूर रखें। भविष्य में अगर कभी इनकम टैक्स विभाग जांच करता है, तो ये दस्तावेज आपके लिए सुरक्षा कवच बन सकते हैं।

चांदी की कमाई पर टैक्स

चांदी पर टैक्स के नियम की बात करें तो यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने फिजिकल सिल्वर (जैसे गहने, सिक्के, बार) खरीदी है या सिल्वर ईटीएफ या सिल्वर म्यूचुअल फंड में निवेश किया है, और आपने इसे कितने समय तक रखा है. इसलिए, टैक्स के नियम समझना जरूरी है ताकि आप सही निवेश निर्णय ले सकें।

फिजिकल फार्म में चांदी पर टैक्स

अगर आपने चांदी के गहने या सिक्के को 24 महीने से पहले बेच दिया, तो उस पर हुआ लाभ शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेंस (एसटीसीजी) माना जाएगा और यह आपकी इनकम टैक्स स्लैब की दर के अनुसार टैक्स होगा, लेकिन आपने चांदी को 24 महीने से ज्यादा समय तक रखा, तो यह लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेंस (एलटीसीजी) माना जाएगा। अगर चांदी 23 जुलाई 2024 या उसके बाद खरीदी गई है, तो इस पर 12.5% टैक्स लगेगा और इंडेक्सेशन का लाभ नहीं मिलेगा। वहीं 23 जुलाई 2024 से पहले खरीदी चांदी पर 20% लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेंस टैक्स लगेगा इंडेक्सेशन के साथ।

सिल्वर म्यूचुअल फंड और ईटीएफ पर टैक्स

अगर आपने सिल्वर ईटीएफ या म्यूचुअल फंड को 12 महीने के अंदर बेचा, तो यह एसटीसीजी माना जाएगा और इनकम टैक्स स्लैब रेट के हिसाब से टैक्स लगेगा। अगर 12 महीने से बाद बेचा, तो यह एलटीसीजी माना जाएगा और 12.5% टैक्स लगेगा, बिना इंडेक्सेशन बेनेफिट के।

चांदी की ज्वेलरी, बिस्कुट और सिक्कों पर टैक्स

चांदी (बार, सिक्के या गहने) के मूल्य पर 3 फीसदी जीएसटी लगता है, जबकि गहनों के मेकिंग चार्ज पर 5 फीसदी जीएसटी लगाया जाता है।

यूपीआई पेमेंट के लिए अपने लिक्विड म्यूचुअल फंड का इस्तेमाल कर सकेंगे

यूपीआई के 'पे विद म्यूचुअल फंड' के जरिये भी कर सकेंगे पेमेंट

जानकारी | बिजनेस डेस्क

अब तक आपने म्यूचुअल फंड का इस्तेमाल सिर्फ निवेश और रिटर्न कमाने के लिए किया होगा, लेकिन अब इसका इस्तेमाल पेमेंट करने में भी किया जा सकेगा। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के नए फीचर 'पे विद म्यूचुअल फंड' के जरिये अब निवेशक यूपीआई पेमेंट के लिए अपने लिक्विड म्यूचुअल फंड का इस्तेमाल कर सकेंगे। यह फीचर न सिर्फ इस्तेमाल में आसान है, बल्कि निवेशकों को बेहतर रिटर्न के साथ फ्लेक्सिबल कैश मैनेजमेंट का मौका भी देता है। यूपीआई के 'पे विद म्यूचुअल फंड' इस फीचर के जरिए आप अपनी लिक्विड म्यूचुअल फंड होल्डिंग से सीधे यूपीआई पेमेंट कर पाएंगे। मिसाल के तौर पर अगर आपने किसी फंड हाउस के लिक्विड फंड में निवेश किया है, और वह फंड इस सुविधा को सपोर्ट करता है, तो आप अपने उस निवेश का इस्तेमाल यूपीआई के जरिये किसी पेमेंट के लिए कर पाएंगे। जैसे ही आप यूपीआई से पेमेंट करेंगे, उतनी रकम के बराबर यूनिट्स अपने आप रिडीम हो जाएंगी और पैसे फौरन ट्रांसफर हो जाएंगे। इसे इस तरह समझिए कि यह फीचर लिक्विड म्यूचुअल फंड को एक मिनी बैंक अकाउंट की तरह काम करने की क्षमता देता है, लेकिन फर्क यह है कि यहां आपका पैसा बेहतर मार्केट-लिंक्ड रिटर्न भी कमा रहा होता है। इस सुविधा को फिलहाल आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और बजाज फिनसर्व एएमसी जैसे फंड हाउसेज ने लॉन्च किया है।

क्यों खास है यह फीचर

लिक्विड फंड शॉर्ट-टर्म मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करते हैं, जिनकी लिक्विडिटी बहुत ज्यादा होती है। ऐसे में जब जरूरत पड़े, तो निवेशक फौरन पैसे निकाल सकते हैं। अब 'पे विद म्यूचुअल फंड' फीचर से यह प्रॉसेस और आसान हो गई है, क्योंकि अब आपको पहले पैसा बैंक अकाउंट में ट्रांसफर करने की जरूरत नहीं। इसके अलावा यह फीचर आपके निवेश पर फुल लिक्विडिटी के बावजूद सेविंग अकाउंट से ज्यादा संभावित रिटर्न का फायदा भी देता है। सेविंग अकाउंट में जहां आम तौर पर 4% से कम सालाना ब्याज मिल रहा है, वहीं लिक्विड फंड इस समय करीब 6-7% तक का रिटर्न दे रहे हैं। यानी आपका पैसा बेकार पड़े रहने की बजाय बेहतर रिटर्न भी दे सकता है और जरूरत पर फौरन काम भी आ सकता है।

ऐसे आसान होगा पेमेंट

यूपीआई आज हर रोजमर्रा के लेनदेन का हिस्सा बन चुका है। किराने की दुकान से लेकर ऑनलाइन शॉपिंग तक, हम सभी इसका इस्तेमाल करते हैं। अब अगर यह पेमेंट सीधे म्यूचुअल फंड से हो जाए, तो आपको अलग-अलग ऐप्स में ट्रांसफर या रिडेम्पशन की झंझट

- यह फीचर न सिर्फ इस्तेमाल में आसान है, बल्कि बेहतर रिटर्न के साथ फ्लेक्सिबल कैश मैनेजमेंट का मौका देगा
- जैसे ही यूपीआई से पेमेंट करेंगे, उतनी रकम के बराबर यूनिट्स अपने आप रिडीम हो जाएंगी
- पैसे फौरन ट्रांसफर हो जाएंगे, लिक्विड म्यूचुअल फंड एक मिनी बैंक अकाउंट की तरह काम करेगा
- यहां आपका पैसा बेहतर मार्केट-लिंक्ड रिटर्न भी कमा रहा होता है,
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड और बजाज फिनसर्व एएमसी जैसे फंड हाउसेज ने लॉन्च किया

नहीं झेलनी पड़ेगी। व्यक्तिगत निवेशकों के साथ-साथ छोटे बिजनेस के लिए भी यह फीचर बहुत मददगार साबित हो सकता है। वे अपने शॉर्ट-टर्म कैश को लिक्विड फंड में रखकर रिटर्न कमा सकते हैं और जरूरत पड़ने पर उसी से पेमेंट कर सकते हैं। यह कैश मैनेजमेंट का स्मार्ट और फ्लेक्सिबल तरीका है।

क्या यह सेविंग से बेहतर है?

कई मामलों में हां, लेकिन कुछ सावधानियां भी जरूरी हैं। सेविंग अकाउंट ज्यादा सुरक्षित होते हैं और उनमें 5 लाख रुपये तक के डिपॉजिट का इंश्योरेंस भी होता है। वहीं, लिक्विड फंड में थोड़ा मार्केट रिस्क रहता है. हालांकि यह रिस्क बहुत कम होता है, फिर भी अगर आपका लक्ष्य केवल सुरक्षा है, तो सेविंग अकाउंट ही बेहतर है।लेकिन अगर आप थोड़ा जोखिम लेने को तैयार हैं और चाहते हैं कि आपका पैसा फुल लिक्विडिटी के बावजूद बेहतर रिटर्न कमाए, तो नई सुविधा आपके लिए सही विकल्प हो सकती है। हां, यह ध्यान रखना जरूरी है कि आप जिस फंड में निवेश करें, उसकी लिक्विडिटी और रिडेम्पशन प्रोसेस भरोसेमंद हो।

यह फीचर एक स्मार्ट ऑप्शन

'पे विद म्यूचुअल फंड' फीचर निवेशकों के लिए सुविधा और रिटर्न दोनों को जोड़ता है। यह दिखाता है कि भारत में डिजिटल पेमेंट और म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री कितनी तेजी से एक-दूसरे के करीब आ रही है। जो निवेशक अपने पैसों को हर वक्त रिटर्न के लिहाज से इनवेस्ट रखना चाहते हैं, उनके लिए यह फीचर एक स्मार्ट ऑप्शन बन सकता है। बशर्ते वे इसके फायदों और रिस्क को समझकर इसका इस्तेमाल करें।

अच्छी तरह समझने के बाद करें इस्तेमाल

भले ही यह फीचर बेहद सुविधाजनक है, लेकिन निवेशकों को इसका इस्तेमाल करने से पहले कुछ बातें जरूर समझ लेनी चाहिए। लिक्विड फंड के रिटर्न अलग-अलग फंड हाउस में अलग-अलग हो सकते हैं, इसलिए औसत रिटर्न और एक्सपेंस रेशियो पर नजर रखना चाहिए. साथ ही यह जानना भी जरूरी है कि "इंस्टैंट रिडेम्पशन" के साथ भी कुछ लिमिट्स या कट-ऑफ टाइम जुड़े हो सकते हैं। इसके अलावा, लिक्विड फंड से होने वाली कमाई पर टैक्स उसी तरह लगता है जैसे बैंक ब्याज पर. इसलिए इसे पूरी तरह इमरजेंसी फंड का विकल्प न मानें। अपने पैसे का कुछ हिस्सा हमेशा सेविंग अकाउंट में भी रखें ताकि किसी देरी की स्थिति में परेशानी न हो।